RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 20 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 11-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

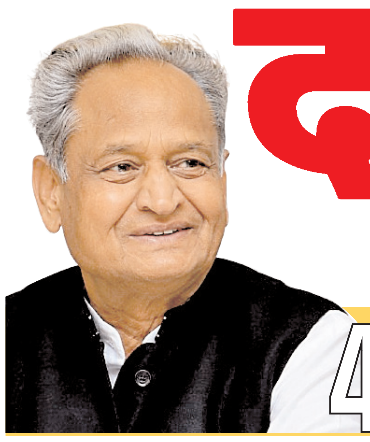

4 गहलोत ने ममता बनर्जी के काफिले पर हमले की निंदा की

6 विदेशी अंशदान कानून पर क्यों मचा है घमासान?

7 कम उम्र में शोहरत, फिर विवादों ने घेरा : हंसिका मोटवानी

फर्स्ट टेक

कोलंबिया में 7.4 तीव्रता का भूकंप

बोगोटा/एपी। लातिन अमेरिकी देश कोलंबिया के पश्चिमी हिस्से में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किये गए और लोगों को घबराहट में अपने घरों एवं इमारतों से बाहर निकलने को मजबूर होना पड़ा। भूंकप के झटके पड़ोसी इक्काडोर में भी महसूस किये गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और कोलंबिया की संबंधित एजेंसी ने भूकंप की तीव्रता 7.4 होने की जानकारी दी। दोनों एजेंसियों ने बताया कि भूकंप का केंद्र सतह से काफी नीचे था। दोनों ने भूकंप का केंद्र सैन होज़े डेल पाल्मार में बताया, जो कोलंबिया की राजधानी बोगोटा से लगभग 400 किलोमीटर पश्चिम में स्थित एक इलाका है। अधिकारियों ने नुकसान या घायलों की जानकारी तत्काल नहीं दी है।

अमेरिका के शर्तें मानने तक नहीं खुलेगा होर्मुज : ईरान

दुबई/एपी। ईरान ने सोमवार को कहा कि जब तक अमेरिका उसकी शर्तें नहीं मानता, तब तक वह होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से नहीं खोलेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी का जिक्र करते हुए कहा, ''अमेरिका को अपनी गैरकानूनी और विनाशकारी कार्रवाइयां रोकनी होंगी तथा उनकी भरपाई करनी होगी।'' ईरान चाहता है कि अमेरिका नाकेबंदी हटाए, युद्ध से हुए नुकसान के लिए मुआवजा दे, आर्थिक प्रतिबंध हटाए और ईरान की जब्त की गई संपत्तियों को मुक्त करे। होर्मुज जलडमरूमध्य ईंधन आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण जलमार्ग है। गतिरोध के चलते नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले अमेरिका की राजनीति में ऊर्जा कीमतें बड़ा मुद्दा बनी हुई हैं।

यूक्रेन के ड्रोन हमले में 13 लोगों की मौत

कीव/एपी। रूस के निजनेकाम्स्क शहर में यूक्रेन की ओर से सोमवार को किए गए ड्रोन हमले में 13 लोगों की मौत हो गई और 48 अन्य घायल हो गए। तातारस्तान क्षेत्र के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने किस चीज को निशाना बनाया, लेकिन यह शहर रूस का एक अहम तेल शोधन केंद्र है, जहां दो बड़ी रिफाइनरी और एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र मौजूद हैं। यूक्रेन ने हाल के महीनों में लगभग रोज ही लंबी दूरी के ड्रोन के जरिये रूस के तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का कहना है कि यह अभियान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बातचीत की मेज पर आने और चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

सूर्यास्त 11-07-2026 6:42 बजे | सूर्योदय 12-08-2026 6:09 बजे

BSE	NSE
78,542.44	24,583.80
(+43.27)	(+13.15)

सोना	चांदी
15,652 रु.	238,797 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विचित्र दौर

कौन सहिष्णु आज यहां है,
सारे ही तो उबल रहे।
अवसरवादी नेता अब भी,
पाले अपने बदल रहे।
सब बस अपनी-अपनी कहने,
बल खा-खा कर मचल रहे।
समझदार तो चुप-चुप बैठे,
टुच्चे-मुच्चे उछल रहे।।

संसद में कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने सोमवार को 'कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026' को पारित कर दिया जिसका मकसद विश्वसनीय नीतिगत व्यवस्था और प्रक्रियागत ''निश्चितता'' उपलब्ध कराकर अधिक विदेशी पूंजी आकर्षित करना तथा घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। राज्य सभा ने कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से लौटा दिया। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है। वित्त मंत्री सीतारमण ने उच्च सदन में विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए विपक्ष खासकर वाम दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, इस देश में वाम दलों को साहस नहीं है और वे तथ्यों का सामना नहीं कर सकते। वे सिर्फ भ्रम पैदा करने की कोशिश करते हैं। वे सिर्फ अपना पक्ष रखने की कोशिश करते हैं तथा जवाब सुनना नहीं चाहते...।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस विधेयक में यूपीआई लेनदेन करने वाले पर कर लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। यूपीआई पहले की तरह ही छोटे दुकानदारों के लिए, रेहड़ी-पटरी वालों के लिए मुफ्त होगा और कोई शुल्क नहीं लगेगा। सदन ने इस संबंध में जून में लागू अध्यादेश को अस्वीकृत करने के मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद जॉन ब्रिटास के सांविधिक संकल्प को खारिज कर दिया। विधेयक पर चर्चा एवं पारित किए जाने के समय कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों के सदस्य मौजूद नहीं थे क्योंकि वे इससे पहले ही सदन से वॉक आउट कर गये थे। विधेयक पर हुई चर्चा के दौरान सदस्यों ने जहां इस विधेयक के प्रावधानों से विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलने और हीरे के प्रसंस्करण उद्योग को मजबूती मिलने की बात कही, वहीं कुछ सदस्यों ने इस विधेयक से यूपीआई के जरिये होने वाले लेनदेन को कर दायरे में लाए जाने की संभावना पर चिंता जतायी।

सदस्यों ने कहा कि आज भारत की बहुत बड़ी आबादी यूपीआई के जरिये लेनदेन कर रही है, ऐसे में उसे कर दायरे में लाने से लोगों और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। विधेयक का उद्देश्य ''विश्वसनीय नीतिगत व्यवस्था और प्रक्रियागत निश्चितता'' उपलब्ध कराकर अधिक विदेशी पूंजी आकर्षित करना तथा घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। इस विधेयक में 'फंड मैनेजरों' के भारत आने को आसान बनाने का प्रस्ताव किया गया है, जबकि विदेशी निवेश को भारत में कारोबार में लगा पैसा नहीं माना जाएगा।

इसका उद्देश्य उन विदेशी कंपनियों को मिलने वाली कर छूट को 2040-41 तक बढ़ाना भी है, जो किसी भारतीय फैक्टरी को मशीनरी और उपकरण उपलब्ध कराती हैं और वो फैक्टरी अनुबंध विनिर्माण के तहत उनकी ओर से खास इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं बनाती है।

दर्शन

पवित्र सावन (श्रावण) माह के दूसरे सोमवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए कतारबद्ध श्रद्धालु।

प्रदर्शन

अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर से संबंधित दान की राशि में हेराफेरी या चोरी के आरोपों के विरोध में सोमवार को नई दिल्ली में प्रदर्शन करते साधु, महंत और महामंडलेश्वर्।

मध्यप्रदेश में उफनते नाले में वाहन बहा, नौ लोगों की मौत

राजगढ़ (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में सोमवार को भारी बारिश के बीच 11 यात्रियों को ले जा रहा एक वाहन उफनते नाले को पार करने के दौरान तेज बहाव में बह गया, जिससे एक बालिका समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब नौ बजे सारंगपुर कस्बे के पास पदाना बायपास की पुलिया पर हुई। उसने बताया कि चालक नाले में पानी का तेज बहाव होने के बावजूद गाड़ी पार कराने का प्रयास करने लगा तभी वाहन पानी के तेज बहाव में बह गया।

अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मौके पर मौजूद स्थानीय प्रशासन के कर्मचारियों और ग्रामीणों ने चालक को आगे नहीं बढ़ने की चेतावनी दी थी, लेकिन उसने वाहन आगे बढ़ा दिया। अधिकारियों के अनुसार तेज बहाव में वाहन के बहने के बाद ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर रस्सियों की मदद से बचाव अभियान चलाया और दो यात्रियों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि एक बच्ची समेत नौ लोगों के शव बरामद किए गए हैं। सारंगपुर के अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) अरविंद सिंह ने बताया कि सोमवार को भारी बारिश के कारण क्षेत्र की नदियां और नाले उफान पर हैं।

बिरला ने चर्चा के लिए सभी पक्षों से मिलकर रास्ता निकालने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में जारी गतिरोध समाप्त करने के लिए सभी दलों से सहयोग की अपील करते हुए सोमवार को कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया जाना चाहिए और उन पर सार्थक चर्चा के लिए सभी पक्षों को मिलकर रास्ता निकालने की जरूरत है। सूत्रों के मुताबिक, कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में बिरला ने सदन की कार्यवाही बाधित रहने पर चिंता जताई और कहा कि सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए आपसी सहमति जरूरी है। उन्होंने कहा कि गतिरोध समाप्त करने के लिए सभी दलों को मिलकर रास्ता निकालना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महत्वपूर्ण विधेयकों और जनहित के मुद्दों पर चर्चा के लिए सदस्यों को पर्याप्त समय दिया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि सरकार विद्यार्थियों से जुड़े विषयों पर सदन में चर्चा कराने के लिए तैयार है और इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह सदन में वक्तव्य देंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष की प्रमुख मांग गृह मंत्री के वक्तव्य को लेकर है और सरकार इसके लिए तैयार है। ऐसे में सदस्यों को सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालने के बजाय चर्चा में भाग लेना चाहिए और विद्यार्थियों से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखने चाहिए। सूत्रों के अनुसार, बिरला ने सदन में सदस्यों की प्रभावी भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि सार्थक और रचनात्मक विचार-विमर्श होना चाहिए तथा देश को इस चर्चा को सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि सदन के समक्ष कई महत्वपूर्ण जनहित के विषय और विधायी कार्य लंबित हैं। सभी दलों को संसदीय मर्यादाओं और परंपराओं के अनुरूप चर्चा एवं संवाद के माध्यम से सदन को सार्थक और प्रभावी बनाने में सहयोग करना चाहिए।

हम तीनों मांगों पर कायम, गृह मंत्री बताएं कि गोली चलाने का आदेश दिया था या नहीं : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। संसद में गतिरोध खत्म करने के लिए सरकार की पेशकश के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि विपक्ष पहले की तरह अपने तीनों मांगों पर कायम है और गृह मंत्री अमित शाह को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर ''गोली चलाने'' का आदेश किसने दिया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि विपक्ष की मांग यह नहीं थी कि शाह सदन में आकर किसी भी सामान्य विषय पर बोलें, बल्कि उनसे यह स्पष्ट करने को कहा जा रहा है कि क्या उन्होंने छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था या नहीं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ संवाददाता सम्मेलन में गांधी ने कहा कि शुरू से ही तीन मांगें की गई थीं। पहली मांग यह कि छात्रों पर कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री जवाब दें, दूसरी यह कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसके लिए माफी मांगें और तीसरी मांग यह कि राम मंदिर से ''चंदा चोरी'' पर संसद में चर्चा हो। उन्होंने कहा, ''विपक्ष अपनी इन तीनों मांगों पर कायम है और हमें गृह मंत्री की कोरी-काल्पनिक बातों को सुनने का कोई शौक नहीं है।''

केरल का नाम 'केरलम' करने संबंधी विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रावधान वाला विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस वर्ष 24 फरवरी को केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026' पेश किया। हालांकि, विधेयक गृह मंत्री अमित शाह के नाम से सूचीबद्ध था। विपक्ष के सांसद अयोध्या के राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी पर चर्चा और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर गृह मंत्री शाह के जवाब की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। केरल विधानसभा ने 24 जून, 2024 को आम सहमति से एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें केंद्र से राज्य का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर 'केरलम' करने का आग्रह किया गया था।

छात्रों के मुद्दे पर चर्चा को तैयार; गृह मंत्री विस्तार से जवाब देंगे, विपक्ष को सुनना पड़ेगा : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> 'यह संसद (मानसून) सत्र का अंतिम सप्ताह है। पिछले तीन सप्ताह पूरी तरह बेकार चले गए। इसके लिए कौन जिम्मेदार और जवाबदेह है?'' पाल ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा, आप चर्चा में भाग नहीं ले रहे हैं। आप मांग कर रहे हैं कि गृह मंत्री जवाब दें। अब संसदीय कार्य मंत्री ने आश्वासन दे दिया है तो आप सदन को व्यवस्थित कीजिए।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार छात्रों के मुद्दे पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है और गृह मंत्री अमित शाह विस्तार से जवाब देने को तैयार हैं, लेकिन विपक्ष को उनका पूरा जवाब सुनना पड़ेगा। अयोध्या के राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी पर चर्चा और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर गृह मंत्री शाह के जवाब की मांग को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद जब अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो रीजीजू ने ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पहले दिन से यह मांग कर रहे थे कि गृह मंत्री अमित शाह को (छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर) जवाब देना चाहिए।'' रीजीजू ने कहा, ''मैं सरकार की ओर से स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि सरकार छात्रों के मामले को लेकर चर्चा के लिए तैयार है और पूरा जवाब देने के लिए तैयार है। गृह मंत्री अमित शाह विस्तार से जवाब देने को तैयार हैं।'' उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए यह भी कहा, ''कांग्रेस और विपक्ष से अनुरोध है कि उन्हें गृह मंत्री के जवाब के समय डरना नहीं है, भागना नहीं है। उन्हें पूरा जवाब सुनना पड़ेगा।''

रीजीजू ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में भी यह बात कही गई है कि सरकार विस्तार से चर्चा और जवाब देने को तैयार है। इस दौरान विपक्ष के सदस्य सदन में नारेबाजी करते रहे।

मानसून सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर अड़ा है। यह और अन्य मुद्दों को लेकर दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई है। शाह के सदन में नहीं आने के विपक्ष के आरोपों पर सरकार की ओर से पिछले दिनों कहा गया था कि गृह मंत्री अमित शाह पूरे दिन संसद में रहते हैं। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने आसन के समीप आकर प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सांसदों से कहा कि वे गृह मंत्री शाह के जवाब की मांग कर रहे थे और अब जब संसदीय कार्य मंत्री ने आश्वासन दिया है कि गृह मंत्री सदन में चर्चा का जवाब देने को तैयार हैं तो सदन की कार्यवाही चलने देनी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''यह संसद (मानसून) सत्र का अंतिम सप्ताह है। पिछले तीन सप्ताह पूरी तरह बेकार चले गए। इसके लिए कौन जिम्मेदार और जवाबदेह है?'' पाल ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा, आप चर्चा में भाग नहीं ले रहे हैं। आप मांग कर रहे हैं कि गृह मंत्री जवाब दें। अब संसदीय कार्य मंत्री ने आश्वासन दे दिया है तो आप सदन को व्यवस्थित कीजिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

न्यायालय ने सॉलिसिटर जनरल के नहीं होने पर सुनवाई स्थगित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार का पक्ष रखने वाले वकील के अनुरोध पर अयोध्या राम मंदिर से जुड़े चढ़ावा चोरी मामले की अदालत की निगरानी में एसआईटी जांच का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई टालने की अर्जी पर सुनवाई करने पर सोमवार को सहमति जताई। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ को वकील ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार का मामले में पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रतिनिधिमंडल के साथ संयुक्त राष्ट्र गए हैं। पीठ ने सवाल किया कि क्या मामले सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैं।

वकील ने कहा, ''हां, वाद संख्या 30-33... कृपया इनपर अगले हफ्ते सुनवाई करें'' पीठ इस अनुरोध पर विचार करने पर सहमत हो गई। उच्चतम न्यायालय ने 27 जुलाई को अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) किरण एस. की अगुवाई में चार सदस्यों वाली एसआईटी के गठन का संज्ञान लिया। पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार से जांच टीम में एक फोरेंसिक ऑडिटर को भी शामिल करने के लिए कहा था। पीठ ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) को दो हफ्ते में स्थिति रिपोर्ट सौंपने का भी निर्देश दिया।

अच्छी सोच वाले का जीवन भी होता है अच्छा : मुनिश्री मोक्षानंदविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोड़वाड़ भवन में गच्छाधिपति जैनाचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी के गतिमान गुरुकृपा चातुर्मास के अंतर्गत सोमवार को प्रवचन देते हुए मुनिश्री मोक्षानंदविजयजी ने कहा कि व्यक्ति की जैसी सोच होती है, वैसा ही उसका वास्तविक व्यक्तित्व होता है। आज के अधिकांश व्यक्ति संकुचित हृदय वाले हो गए हैं। दूसरों को दुःखी करके खुद का स्वार्थ सिद्ध करने में उन्हें कोई पीड़ा या शर्म महसूस नहीं होती। ऊंची सोच वाला व्यक्ति अत्यंत विनम्र होता है। दूसरों के दुःख को दूर करने के लिए वह सदा तत्पर रहता है। उसके हृदय रूपी सागर में सभी के लिए प्रेम और मैत्री की तरंगें प्रवाहित होती हैं। जिसकी सोच अच्छी होती है उसका जीवन भी अच्छा होता है । मुनिश्री ने कहा जीवन रूपी दीप तभी तक जगमगाता है जब तक कि उसमें आयुष्य रूपी तेल है। व्यक्ति मृत्यु को भूल जाता है और ऐसे संसार में रचा-पचा रहता है जैसे वह अमरता का पट्टा लेकर आया है। किंतु एक दिन मृत्यु द्वार पर दस्तक देती है और तब जीवन छोड़ते समय उसके पास मात्र पश्चाताप बचता है। आज तो व्यक्ति का जन्म हॉस्पिटल में रोते रोते होता है, सारा जीवन भी रोते रोते बिताता है और अंतिम समय भी हॉस्पिटल में रोते रोते मृत्यु के मुँह में समा जाता है। वास्तविक जीवन तो वह है जिसमें मृत्यु भी महोत्सव बन जाए। मृत्यु आने से पहले व्यक्ति निडर होकर उसका स्वागत करने के लिए तैयार रहे। यदि जीवन में जिनवाणी को श्रवण करने के साथ साथ सच्ची श्रद्धा से उसे अपने भीतर उतारा हो तो ही जीवन रूपी उपवन में फूल खिलते हैं जो सद्गुणों की सुवास से पूरे वातावरण को महकाते हैं। मनुष्य जन्म की सफलता स्वार्थी नहीं बल्कि परमार्थी बनने में हैं। जितना हो सके उतना हमें दीन दुखियों की सेवा करनी चाहिए, भलाई के कार्य करने चाहिए और मन से सभी के लिए मंगल भावना भानी चाहिए। दोपहर ढाई बजे से चन्द्रप्रभ स्वामी भगवान का जाप विविध मुद्राओं सहित करवाया गया।

विफा कोयंबटूर चैप्टर की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। विप्र फाउंडेशन कोयंबटूर चैप्टर की बैठक रामदेव बाबा मंदिर में आयोजित हुई। बैठक में मगन रावल ने अपने स्वागत भाषण में अपने कार्यकाल में समाज से प्राप्त सहयोग के लिए उपस्थित सदस्यों का आभार प्रकट किया और सब का स्वागत किया। जोन अध्यक्ष श्रवण बोहरा ने कहा कि हम सब को मिलकर कोयंबटूर चैप्टर को मजबूत करना है और जोन के अंतर्गत कई शहरों में समाज के सदस्यों को संगठन से जोड़ने का काम भी करना है। उन्होंने दक्षिण क्षेत्रीय महामंत्री भगवान व्यास का आभार प्रकट किया। भगवान व्यास ने पहले जोन 17ए के अध्यक्ष श्रवण बोहरा, सचिव गोपालसिंह अराबा व कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा से सबको अवगत कराया व विप्र फाउंडेशन की स्थापना से लेकर अभी तक के किये गए सभी कार्यों एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी। उन्होंने विप्र फाउंडेशन के प्रकल्पों एवं संगठनात्मक निर्णयों की भी विस्तृत जानकारी दी। बैठक में सर्वसम्मिति से कोयंबटूर चैप्टर के पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष निर्मल शर्मा, महामंत्री मोहन सिंह भवरानी, उपाध्यक्ष अशोक सिंह राजपुरोहित, गोपाल शर्मा, डालूसिंह राजपुरोहित, सहमंत्री दलपत सिंह साथु , भरत जोशी, कोषाध्यक्ष संजय शर्मा, सह कोषाध्यक्ष अजय शर्मा को मनोनीत किया गया। कार्यकारणी सदस्य के लिए अशोक सिंह राजपुरोहित, रविसिंह सांकरना, वसंत राजपुरोहित, देवेंद्र शर्मा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुभाष गौड़ को तथब मंत्री राजू रावल को बनाया गया । चैप्टर के मंत्री मोहन सिंह के धन्यवाद प्रस्ताव के उपरांत बैठक सम्पन्न हुई।

अपरम्पार है दान की महिमा : अभिजीतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि दान देने की भावना से मन में उदारता का भाव जागृत होता है। जो व्यक्ति अपने धन का उपयोग दूसरों के निवास के लिए करता है अर्थात धर्मशाला, धर्मस्थान, स्कूल, रैन बसेरा, विकलांग आश्रम, गौशाला, चिकित्सालय बनाने में लगाता है उसके धन से पुण्य की प्राप्ति तथा धन की अधिकता होती है। संतश्री ने कहा कि हमें ऐसे कार्य करने चाहिएं जिससे आत्मशांति की प्राप्ति हो। दान देने से आत्मसंतोष व शांति की प्राप्ति होती है इसलिए उदारहृदय से दान करना चाहिए। दान की महिमा अपरम्पार है।

एकल युवा के रक्तदान शिविर में 254 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी(एकल)युवा द्वारा रविवार को आयोजित मेगा रक्तदान शिविर में कुल 254 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। युवा अध्यक्ष प्रितेश बुरड़ ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एकल जेम्स के कमलेश डूंगरवाल, एफटीएस के संरक्षक मुरारीलाल सरावगी, सुरेन्द्र गोयल, रमेश अग्रवाला, एफटीएस साउथ जोन सचिव बिमल सरावगी, चैप्टर के अध्यक्ष हाथीमल बैद एवं महिला समिति अध्यक्ष कांता काबरा सहित अनेक अतिथियों ने शिविर का शुभारंभ किया। इस आयोजन में 10 विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं तथा समाजों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। युवा सचिव विकास गुप्ता ने बताया कि शिविर की सफलता में चारों संयोजकों आयुष अग्रवाला, शुभम लोहिया, प्रवीण गहलोत एवं अरुण शर्मा का विशेष योगदान रहा। शिविर में सभी रक्तदाताओं को संस्था की ओर से उपहार दिए गए तथा विक्रम अग्रवाल परिवार के सौजन्य से 25 आकर्षक लकी ड्रॉ पुरस्कार भी निकाले गए। युवा मेंटर आशीष गुप्ता ने 254 यूनिट रक्त संग्रह को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर संस्था के अनेक सदस्यों ने सहयोग दिया।

मनोरंजक गतिविधियों के साथ जेसीआई कॉस्मो ने मनाया मित्रता दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो द्वारा मित्रता दिवस के अवसर पर रविवार को स्ट्राइक अप ए फ्रेंडशिप' नामक बॉलिंग फिएस्टा का आयोजन किया गया जिसमें 60 सदस्यों ने भाग लिया। उपाध्यक्ष श्वेता राखेचा के नेतृत्व में धृति जैन एवं दीपिका गन्ना ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

इस मौके पर अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। मोनिका कुमट के सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया।इस कार्यक्रम में बॉलिंग प्रतियोगिता, मनोरंजक गतिविधियों और आपसी संवाद के माध्यम से सदस्यों ने मित्रता, एकता और सौहार्द का संदेश दिया। बॉलिंग प्रतियोगिता में रूपचंद कुमट एवं टीनू जैन विजेता रहे।

हनुमंतनगर जैन भवन में धर्म साधना व तपस्या गतिमान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर, जैन भवन में आचार्यश्री रामलालजी, उपाध्यायश्री राजेशमुनिजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वी स्वागतश्रीजी, प्रणामश्रीजी, दुंदुभिश्रीजी, निर्ग्रन्थश्रीजी चातुर्मासार्थ विराजित हैं।

रोजाना धर्म ध्यान व साध्वी मंडल द्वारा जैन तत्व, दर्शन, इतिहास, जैन भूगोल पर सारगर्भित प्रवचन गतिमान है। तप श्रृंखला में 11 दिनों का उपवास करने वाले लखनसिंह चौधरी का संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी के नेतृत्व में संघ की ओर से सम्मान किया गया। संचालन मंत्री सुरेश धोका ने किया। युवा मंडल, महिला मंडल, बालिका मंडल का विभिन्न गतिविधियों में सहयोग रहा।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद की वर्तमान कमेटी को एक और कार्यकाल का मौका

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद की वार्षिक साधारण सभा रविवार को आयोजित हुई। परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय ने स्वागत भाषण दिया। सचिव पंडित राजगुरु ने गत वर्ष 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन पेश किया। कोषाध्यक्ष मिंटू दुबे ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। आनंद मिश्रा एंड कंपनी को पुनः अंकेक्षक के रूप में स्वीकृत किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष उदय कुमार ने विचार व्यक्त करते हुए समाज विकास पर जोर दिया। निर्वाचक मंडल के अध्यक्ष एवं संयोजक हरिश्चंद्र झा ने नई कार्यकारिणी समिति के गठन हेतु विचार व्यक्त किए। बैठक में निवर्तमान कमेटी को ही आगामी एक वर्ष के लिए और कार्य करने का आग्रह किया गया जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की।

एसके उपाध्याय अध्यक्ष, पंडित राजगुरु सचिव, मिंटू दुबे कोषाध्यक्ष, उषा झा महिला मंडल की अध्यक्ष, अपर्णा शर्मा सचिव, कोषाध्यक्ष अर्पण झा, प्रवीण उपाध्याय युवा मंच के अध्यक्ष, महिला मंडल उपाध्यक्ष बिंदु शर्मा, डेजी शर्मा, डॉक्टर अर्चना, परिषद के उपाध्यक्ष रामकिंकर सिंह(कार्यकारी कोषाध्यक्ष), विनय कुमार, हीरा झा, रंजीत कुमार, परिषद के सहसचिव यशवंत सिंह, दीपेश कुमार, राहुल शर्मा, महिला मंडल की सहसचिव नीतू कुमारी, अंजूसिंह, सहकोषाध्यक्ष निधि श्रीवास्तव,नीतू चौहान, परिषद के उपकोषाध्यक्ष रवि रंजन, संजय सिंह, कार्यक्रम समन्वयक उदय कुमार, जेके महतो, डॉ विनय कुमार यादव, मुकेश कर्ण आदि को शामिल किया गया। ट्रस्ट के सचिव राजेश्वर सिंह ने देश के वर्तमान जेन-जी बच्चों के कार्यों पर प्रकाश डाला।

मैनेजिंग ट्रस्टी राम लखन सिंह ने बिहार भवन की उन्नति के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। आण्वी झा को ताइक्वांडो खेल में अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त होने के लिए बैठक में परिषद के सदस्यों ने सम्मान किया। रामलखन सिंह ने धन्यवाद दिया तथा संचालन पंडित राजगुरु ने किया।

एक दिवसीय 'महिला उत्थान मेला' 14 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर की नारायणी की रसोई' महिला संस्था द्वारा माहेश्वरी भवन में 14 अगस्त को सुबह 10 बजे से एक दिवसीय 'महिला उत्थान मेले' का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले की व्यवस्था के संबंध में रविवार को माहेश्वरी भवन में सदस्याओं की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें आयोजकों ने बताया कि संस्था हर माह एक बार माहेश्वरी भवन के सामने नारायणी की रसोई के नाम से 500 लोगों को भोजन करवाती है।

इस मानवसेवी कार्य को बल देने व महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से यह एक दिवसीय महिला उत्थान मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें डिजाइनर कपड़े, रसायन मुक्त सौंदर्य प्रसाधन के सामान, आकर्षक राखी, गिफ़्ट आइटम सहित महिला घरेलू उद्यमियों द्वारा निर्मित अचार, पापड़ आदि उत्पादों के स्टाल लगाए जाएंगे। सदस्याओं ने बताया कि इसी दिन शुक्रवार को माहेश्वरी भवन के सामने 600 से अधिक लोगों के लिए अन्नदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मेले से प्राप्त आय का उपयोग नारायणी की रसोई अन्नदान' योजना को समृद्ध बनाने के लिए किया जाएगा। संस्था की श्वेता बियाणी, निर्मला काँकाणी, कान्ता काबरा व अन्य सदस्याओं ने मेले के पोस्टर का विमोचन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग

बेंगलूरु के मंजूनाथनगर अणम्मादेवी सेवा समिति ईटमाडु द्वारा 11वां अण्णम्मा देवी वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। इस उत्सव में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं, हमें अपनी सनातन संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

'स्किलाथॉन एक्सप्रेस' में ब्रांडिंग, एआई, विजन और नेतृत्व पर हुई विस्तार से चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) केकेजी जोन के अंतर्गत नार्थ चैप्टर ने 'स्किलाथॉन एक्सप्रेस-बेंगलूरु एडिशन' का आयोजन गांधीनगर जीतो कार्यालय में किया गया। चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री विजय सिंघवी ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि एवं संकल्पना की जानकारी दी। केकेजी जोन के चेयरमैन प्रवीण बाफना व महामंत्री दिलीप जैन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से सदस्यों को व्यावसायिक विकास के अनुरूप नए ज्ञान एवं कौशल सीखने का अवसर मिला। सीएफई चेयरमैन आशीष शाह विभिन्न ज्ञानवर्धक सत्रों व प्रायोजकों की जानकारी दी। अपेक्स सचिव श्रीपाल बच्छावत ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया।'ब्रांडिंग पर मास्टरक्लास' के विशेषज्ञ दीपक शिंदे ने कहा कि व्यवसाय की सफलता के लिए उत्पाद या सेवा के साथ मजबूत पहचान, विश्वसनीयता और ग्राहकों से भावनात्मक जुड़ाव जरूरी है। अन्य वक्ता कॉर्पोरेट एआई ट्रेनर राज गुप्ता ने मास्टर प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग' विषय पर चैट-जीपीटी एवं अन्य एआई टूल्स के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। अन्य वक्ता कॉर्पोरेट एआई ट्रेनर एवं अलस्किलेन्स के संस्थापक श्रीकंचन भौमिक ने डेटा एंट्री, ई-मेल फॉलोअप, रिपोर्ट एवं शेड्यूलिंग जैसे कार्यों को एआई एजेंट के माध्यम से स्वचालित कर समय और श्रम बचाया जा सकता है। अन्य वक्ताओं ने अनेक विषयों पर विस्तार पूर्वक समझाया।अंत में सभी वक्ताओं का सम्मान किया गया। इस मौके पर विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। सीएफई संयोजक सतीश पोरवाड़ ने संचालन किया। रमेश दक ने सभी को धन्यवाद दिया।

बसवनगुड़ी में उतरी 'शालिभद्र की स्वर्ण, वस्त्र व भोजन की 99 पेटियां'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास के रविवारीय विशेष कार्यक्रम में साध्वीश्री प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी के सान्निध्य में शालिभद्र जी की प्रतिदिन 99 पेटियां उतारने' के विशेष कार्यक्रम का मंचन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया।

दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में शालिभद्र जी की देवलोक से प्रतिदिन 99 स्वर्ण, वस्त्र और भोजन की पेटियां उतारने और लकी ड्रा द्वारा निकाले गए परिवारों को प्रदान करने का लाभ प्रेमलतादेवी सज्जनसिंह खटोड़ परिवार ने लिया। इस मौके पर मलयप्रभ सागर जी ने शुभकामनाएं प्रदान की। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा का सहयोग मिला। ज्ञान वाटिका के बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों सहित विभिन्न संस्थाओं के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

भैरव भक्ति :

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में रविवारीय भैरव भक्ति का आयोजन किया गया जिसमें घाणेराव के रामलाल एंड पार्टी के गायकों ने भक्ति गीतों की अनुपम प्रस्तुतियां दी। तीर्थ के विजयकुमार सुराणा ने सभी का स्वागत करते हुए भक्ति के लाभार्थी नवकार ग्रुप के राजेशकुमार धनपतराज मेहता परिवार व आरती के लाभार्थी पारसमल जसराज वेदमुथा परिवार को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर तीर्थ के अनेक पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में भैरव भक्त उपस्थित थे।

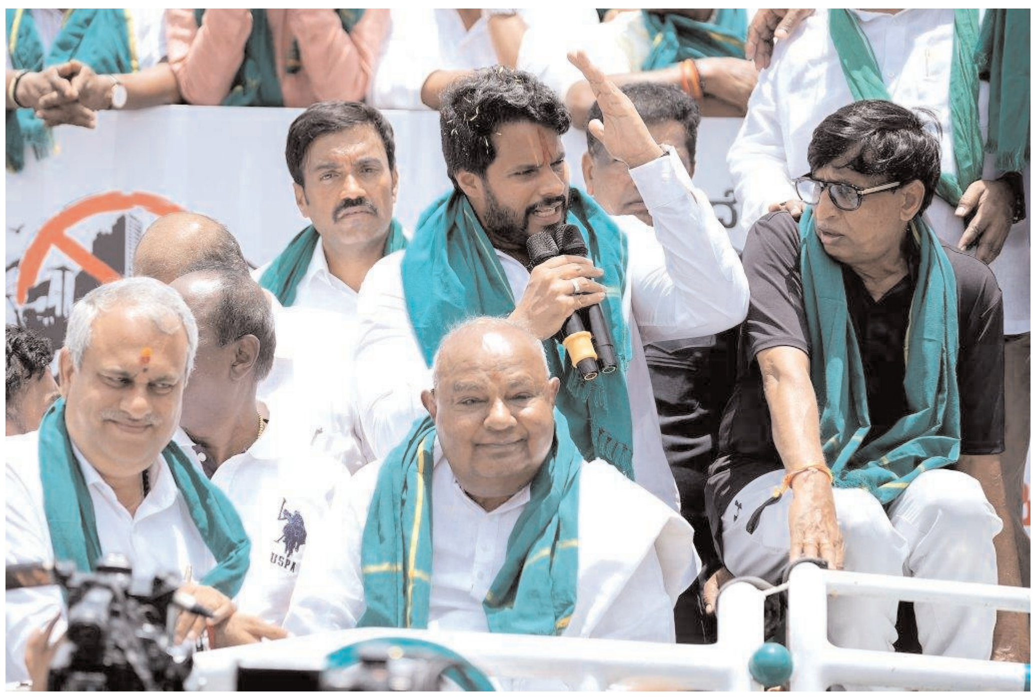

पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता एच.डी. देवेगौड़ा, जेडी(एस) प्रदेश युवा इकाई अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी एवं अन्य पार्टी नेता सोमवार को कर्नाटक के बेंगलुरु दक्षिण जिले में बिड़दी टाउनशिप परियोजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दूसरे दिन बायरामंगला से फ्रीडम पार्क तक पदयात्रा के दौरान।

बिड़दी परियोजना : भूमि अधिग्रहण के खिलाफ जद(एस) के मार्च में शामिल हुए देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु दक्षिणी जिले के बिड़दी में जीबीआईटी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ जनता दल (सेक्युलर) की ओर से आयोजित पदयात्रा में सोमवार को पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा शामिल हुए। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर किसानों की आजीविका को बर्बाद करने की कोशिशें जारी रहीं, तो वह और उनकी पार्टी इसका विरोध करने से पीछे नहीं हटेंगे। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में घटक जद(एस) की युवा शाखा के अध्यक्ष और देवेगौड़ा के पोते निखिल कुमारस्वामी की अगुवाई में बिड़दी के पास बायरामंगला से बेंगलूरु शहर के फ्रीडम पार्क तक तीन दिवसीय पदयात्रा कर रही है और सोमवार को पदयात्रा का दूसरा दिन है। रविवार को बायरामंगला में जद(एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक के साथ मिलकर तीन दिवसीय पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस यात्रा में कुल मिलाकर लगभग 38 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी।

बिड़दी के बीजीएस सर्कल में मार्च के दूसरे दिन की शुरुआत के समय 93 वर्षीय देवेगौड़ा ने इसमें हिस्सा लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नम्मा भूमि, नम्मा हक्कू’ (हमारी ज़मीन, हमारा अधिकार) जैसे नारे लगाए और सरकार पर आरोप लगाया कि वह रियल एस्टेट के हितों को बढ़ावा दे रही है और किसानों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करके उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। देवेगौड़ा ने इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह, अपने बेटे कुमारस्वामी, पोते निखिल, जद(एस) के नेताओं और विधायकों के साथ मिलकर किसानों और आम लोगों के साथ कोई अन्याय नहीं होने देंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री झूठा आरोप लगा रहे हैं कि देवेगौड़ा, कुमारस्वामी और निखिल यह बर्दाश्त नहीं कर सकते कि उनके अलावा कोई और वोक्कालिगा मुख्यमंत्री बने। लेकिन मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं, मुख्यमंत्री चाहे कोई भी हो, अगर वह अच्छा काम करता है, तो हम उसका समर्थन करेंगे।''मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने दावा किया था कि वह जीबीआईटी परियोजना को केवल आगे बढ़ा रहे हैं और इसकी शुरुआत कुमारस्वामी ने 2006 में मुख्यमंत्री रहते हुए की थी। देवेगौड़ा ने मुख्यमंत्री के दावे पर पलटवार करते हुए कहा, ''शिवकुमार, आप दो साल तक राज्य पर राज करें। हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन किसानों की आजीविका खत्म करने के लिए झूठ क्यों बोल रहे हैं?'' उन्होंने सवाल किया, ''आप किसानों की आजीविका खत्म करके यह परियोजना लागू कर रहे हैं। किसके लिए? कृपया सच बताइएं - किसके लिए?''

देवेगौड़ा ने कहा कि सरकार द्वारा मुहैया कराई गई जानकारी के मुताबिक, बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए)के तहत 20,000 स्थल खाली हैं। इतना ही नहीं, बेंगलूरु की अलग-अलग परियोजनाओं में भी कई भूखंड खाली हैं। उन्हें खरीदने वाला कोई नहीं है और बड़ी संख्या में बने-बनाए घर भी खाली पड़े हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बनाई गई समिति को इस बारे में आंकड़े एकत्र करने चाहिए। उन्होंने कहा, ''आप (शिवकुमार) राज्य पर शासन करें, हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन जब तक आप किसानों की आजीविका को खत्म करने की कोशिशें बंद नहीं करते, तब तक यह देवेगौड़ा जो भले 93 साल का है, किसी भी वजह से पीछे नहीं हटेगा, और यही बात कुमारस्वामी और निखिल पर भी लागू होती है। इसे लिख लीजिए। हम किसानों की आजीविका को बर्बाद करके आपको अपनी इमारतें नहीं बनाने देंगे।''देवेगौड़ा ने कहा कि उन्हें पुख्ता तौर पर जानकारी नहीं है कि सिद्दरामय्या को हटाकर मुख्यमंत्री बनने के लिए शिवकुमार ने दिल्ली में क्या आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, ''उन वादों को पूरा करने के लिए, आप यहां के किसानों की ज़मीनें देकर उनकी आजीविका बर्बाद कर रहे हैं। आप यह ज़मीन किसे देना चाहते हैं? किस कंपनी को? सच बताइए।'' पूर्व प्रधानमंत्री ने आगाह करते हुए कहा कि किसी को भी उन्हें बूढ़ा समझने की गलती नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''मेरा शरीर भले ही बूढ़ा हो गया हो, लेकिन मेरी बुद्धि नहीं। मेरी बुद्धि अब भी ठीक है। मुझे लोगों से लड़ने की ताकत मिलती है और मैं उनके लिए लड़ता रहूंगा।'' उन्होंने लोगों से 19 अगस्त को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में आयोजित जनसभा में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की। जद(एस) अध्यक्ष ने कहा, ''हिम्मत न हारें और मजबूत बने रहें। कृपया अपनी ज़मीन न छोड़ें।'' किसानों और स्थानीय लोगों के विरोध के बीच, सरकार ने 'ग्रेटर बेंगलूरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप प्रोजेक्ट' (जीबीआईटी) के बारे में अलग-अलग राय और प्रतिक्रियाओं की समीक्षा करने के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश गुहानथन नरेंद्र की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। किसानों और स्थानीय निवासियों के विरोध के बीच राज्य सरकार ने जीबीआईटी परियोजना के लिए सात गांवों में 5,400 एकड़ से अधिक भूमि अधिग्रहण को लेकर अंतिम अधिसूचना के दो चरण जारी किए हैं। सूत्रों के अनुसार, बिड़दी परियोजना के लिए 25 गांवों में फैली 9,600 एकड़ भूमि की जरूरत है।

बेंगलूरु में 39 लोग गिरफ्तार, 55.80 करोड़ रु कीमत के मादक पदार्थ जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें आठ विदेशी नागरिक शामिल हैं। उनके कब्जे से अनुमानत: 55.80 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई मिशन राइज के तहत चलाए जा रहे बेडा ब्रो’ कार्यक्रम और बेंगलूरु सिटी पुलिस के मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत की गई।

बेंगलूरु सिटी पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मिशन राइज के तहत बेंगलूरु और अन्य राज्यों दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और केरल के विभिन्न स्थानों से 55 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। जब्त किए गए मादक पदार्थों में एमडीएमए, हाइड्रो गांजा, कोकीन और गांजा शामिल हैं।

उन्होंने कहा, इस अभियान में 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें आठ विदेशी नागरिक, अन्य राज्यों के 21 लोग और 10 स्थानीय लोग शामिल हैं। यह सिटी पुलिस की 16 इकाइयों, जिसमें सीसीबी भी शामिल है, द्वारा चलाया गया एक बड़ा अभियान है।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान 39 आरोपियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि वे विदेश, अन्य राज्यों और कर्नाटक के भीतर अज्ञात आपूर्तिकर्ताओं से कम कीमत पर प्रतिबंधित मादक पदार्थ खरीदते थे और जल्दी मुनाफा कमाने के लिए उन्हें आम लोगों और कॉलेज के छात्रों को ऊंची कीमतों पर बेचते थे। पुलिस आयुक्त कार्यालय ने एक बयान में कहा कि जब्त किए गए मादक पदार्थों में 21 किलोग्राम 641 ग्राम एमडीएमए, 738 ग्राम कोकीन, चार किलोग्राम 493 ग्राम हाइड्रो गांजा, 184 किलोग्राम 625 ग्राम गांजा, एक किलोग्राम 65 ग्राम अफीम और 25 ग्राम मॉर्फिन शामिल हैं। इसके अलावा 17 लाख रुपये नकद, 22 मोबाइल फोन और पांच दोपहिया वाहन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को अलग-अलग तारीखों पर अदालतों में पेश किया गया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को कथित रूप से मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वाले अज्ञात लोगों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

कावेरी नदी से तमिलनाडु को पानी छोड़े जाने संबंधी याचिका पर 13 अगस्त को सुनवाई करेगा न्यायालय

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कावेरी नदी का पानी तत्काल छोड़े जाने के संबंध में कर्नाटक को निर्देश देने संबंधी तमिलनाडु की याचिका पर 13 अगस्त को सुनवाई करने पर सहमति जताई। याचिका में कर्नाटक सरकार को कावेरी नदी का तमिलनाडु के हिस्से का पानी तुरंत छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील की दलीलों पर गौर किया। वकील ने कहा कि कम बारिश वाले साल में तमिलनाडु को कावेरी जल में उसका निर्धारित हिस्सा नहीं मिलता है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''हम इसे बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे।'' मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने तीन अगस्त को उच्चतम न्यायालय का रुख कर कर्नाटक सरकार को कावेरी जल में राज्य के हिस्से का पानी तत्काल जारी करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। राज्य सरकार ने अपनी याचिका में दावा किया कि कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने उसे जितना पानी आवंटित किया था।

कोई असमंजस नहीं, कर्नाटक के मुख्यमंत्री जल्द मंत्रियों को विभाग आवंटित करेंगे : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि हाल में मंत्रिमंडल में शामिल किए गए मंत्रियों को विभागों के आवंटन को लेकर कोई असमंजस नहीं है और यह प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी। परमेश्वर ने कहा कि मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा करने के लिए नई दिल्ली गए हैं और उनके लौटने के बाद विभागों के आवंटन की घोषणा की जा सकती है। उपमुख्यमंत्री ने संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में कहा, कोई असमंजस नहीं है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा के बाद यह प्रक्रिया पूरी की जानी है। मुख्यमंत्री दिल्ली गए हैं और आज लौट रहे हैं। मेरा मानना है कि उनके लौटने के बाद वह इसकी घोषणा कर सकते हैं। यह पूछे जाने पर कि यदि मंत्रियों को अब विभाग आवंटित किए जाते हैं तो क्या आगामी विधानसभा सत्र के दौरान उनके लिए प्रश्नों की तैयारी कर उत्तर देना मुश्किल होगा, परमेश्वर ने कहा कि ऐसी कोई समस्या नहीं होगी, क्योंकि सभी मंत्री समर्थ हैं और वरिष्ठ मंत्री उनकी मदद के लिए मौजूद रहेंगे।

परमेश्वर ने कहा, ''जो पहली बार मंत्री बने हैं, उन्हें शुरुआत में कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन अधिकारी उन्हें आवश्यक जानकारी देंगे। समय के साथ वे चीजों को समझ जाएंगे। जब हम नए मंत्री बने थे, तब हमें भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था।'' उन्होंने कहा, ''प्रशासन चलाने की प्रक्रिया समझ में आने के बाद सब ठीक हो जाता है। चूंकि वे सभी विधायक हैं, इसलिए उनके लिए चीजें बिल्कुल नई नहीं होंगी।''

शिवकुमार रविवार शाम से दिल्ली में हैं। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल से चर्चा की थी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार ने मंत्रिमंडल में तीन अगस्त को शामिल किए गए 19 नए मंत्रियों को विभागों के आवंटन को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा की है। सूत्रों के अनुसार, इसकी भी संभावना है कि शिवकुमार ने मंत्रिमंडल में मामूली फेरबदल पर चर्चा की होगी। इसके तहत कुछ मौजूदा मंत्रियों को हटाकर उन नाराज विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह देने का रास्ता बनाया जा सकता है, जो मंत्री पद की अपनी मांग से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। शिवकुमार के मंत्रिमंडल में फिलहाल कोई महिला प्रतिनिधित्व नहीं होने के कारण मुख्यमंत्री पर मंत्री का एक खाली पद किसी महिला को देने का दबाव बढ़ रहा है।

शिवकुमार ने कर्नाटक में विभागों के बंटवारे पर वेणुगोपाल से की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल से राज्य मंत्रिमंडल में फिर से मामूली फेरबदल करने और हाल में शामिल किए गए मंत्रियों के बीच विभागों के बंटवारे को लेकर चर्चा की। शिवकुमार ने रविवार देर रात पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दो घंटे से अधिक समय तक बैठक की थी। इसके बाद उन्होंने सोमवार सुबह वेणुगोपाल से बातचीत की और फिर बेंगलूरु के लिए रवाना हो गए।

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल में एक महिला सदस्य को शामिल करने के साथ-साथ नये मंत्रियों को विभाग आवंटित किए जाने पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि नाराज विधायकों को संतुष्ट करने के लिए मंत्रियों के विभागों में मामूली फेरबदल भी किए जाने की संभावना है तथा हाल में शामिल किए गए एक या दो मंत्रियों को हटाया जा सकता है। शिवकुमार ने खरगे से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा था, ''हमें एक महिला को शामिल करना है और हम ऐसा करेंगे। कोई जल्दबाजी नहीं है।'' उन्होंने कहा था कि विभागों का बंटवारा जल्द पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने लंबे समय से कर्नाटक विधान परिषद के सभापति रहे भाजपा विधायक बसवराज होरट्टी के इस्तीफे के बाद के घटनाक्रम से खरगे को अवगत कराया।

कर्नाटक में इस महीने की शुरुआत में मंत्रिमंडल का बड़ा विस्तार किया गया था, जिसमें 19 मंत्रियों को शामिल किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री समेत राज्य मंत्रिपरिषद में सदस्यों की संख्या बढ़कर 33 हो गई।

प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय विद्यालयों के कामकाज और बुनियादी ढांचे की समीक्षा की

नई दिल्ली/बेंगलूरु। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर देशभर के केंद्रीय विद्यालयों से जुड़े मामलों की समीक्षा की। जोशी ने बैठक के दौरान केंद्रीय विद्यालयों के कामकाज, बुनियादी ढांचे की स्थिति और अन्य ध्यान देने योग्य मुद्दों की जानकारी ली। उन्होंने समस्याओं के समाधान और विद्यालयों की सुविधाओं में सुधार के उपायों पर भी चर्चा की। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्रीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए अनुकूल शिक्षण माहौल सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जोशी ने एक पोस्ट में कहा, ''मैंने शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर देशभर के केंद्रीय विद्यालयों से जुड़े मामलों की समीक्षा की। विद्यालयों के कामकाज, बुनियादी ढांचे की स्थिति और ध्यान दिए जाने वाले अन्य मुद्दों की जानकारी ली।''

उन्होंने कहा, ''इन चिंताओं के समाधान, विद्यालयों की सुविधाओं में सुधार और यह सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा की कि केंद्रीय विद्यालय विद्यार्थियों के लिए अनुकूल शिक्षण माहौल प्रदान करते रहें।'' जोशी ने एक दिन पहले ही राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जुड़े मामलों पर शिक्षा सचिव समेत मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की थी, जिसके बाद यह बैठक हुई। एनटीए से जुड़े मामलों की बैठक में संस्थागत तंत्र को मजबूत करने, परीक्षा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और एजेंसी को विद्यार्थियों के प्रति अधिक जवाबदेह बनाने के उपायों पर चर्चा की गई थी।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. सीपीएम-जीएसयू-08-2026-01-जेआरयू दिनांक: 28.08.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
1.	संयुक्त कार्य- चिक्कजाजूरु: चिक्कजाजूरु में नये एसी लोको ट्रिप शेड के प्रस्तावित निर्माण के साथ सहायक सामान्य इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रिकल ट्रेक्शन कार्य।	रु. 8,49,79,452.85

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 28.08.2026 को 15.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
उप मुख्य विद्युत अभियंता/गति शक्ति यूनिट/ मैसूर
PUB/363/AAD360/PRB/SWR/2026-27
टिकट की आसान बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अन्य रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए **रेलवन** एप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग,
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो)
द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी)
निर्माण एवं अनुरक्षण समूह
80 फीट रोड, एचएएल II चरण, बेंगलूरु-560008 फोन: 080-25037203/080-2503214
दिनांक: 10.08.2026

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

क्र. सं	कार्य का नाम व निविदा विवरण	अनुमानित निविदा मूल्य	ईएमडी	कार्य समापन अवधि
1	रखरखाव के काम - एलपीएससी(बी)परिसर, बेंगलूरु में मलबा, कचरा, कॉटन मुर्रम, सूखी पत्तियां, निर्माण सामग्री, पत्थर की स्लैब और पेड़ के सड़े हुए तनों को हटाना। ई-निविदा सूचना . LPSC(B)/CMD/02/2050/C/MI/018/2026-27 दिनांक : 10.08.2026	रु. 19.84 लाख	रु. 39,680/-	12 माह
2	रखरखाव के काम - एलपीएससी तुमकुरु परिसर में गैस डिस्ट्रीब्यूशन रूम/ NMPTTF से हाइड्रोजन स्टोरेज सुविधा और कम्पैटिबिलिटी लैब्स तक गैस डिस्ट्रीब्यूशन लाइन के लिए ट्रेंच (खाइयां) बनाना। ई-निविदा सूचना . LPSC(B)/CMD/02/2051/C/MI/019/2026-27 दिनांक : 10.08.2026	रु. 8.53 लाख	रु. 17,060/-	01 माह
3	रखरखाव के काम - एलपीएससी(बी)परिसर, बेंगलूरु में एसआर-एसपीएस औरएसएफआईजी ग्रुप की विभिन्न सुविधाओं में आपातकालीन रखरखाव के काम। ई-निविदा सूचना . LPSC(B)/CMD/02/2052/C/MI/020/2026-27 दिनांक : 10.08.2026	रु. 22.03 लाख	रु. 44,060/-	01 माह

निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि :	10.08.2026 को 18.30 बजे से 19.08.2026 को 23.59 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण :	10.08.2026 को 20.00 बजे से 20.08.2026 को 17.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख :	21.08.2026 को 17.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय :	24.08.2026 को 11.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय :	24.08.2026 को 11.30 बजे से

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। www.isro.gov.in, www.lpsc.gov.in

ह/- प्रमुख सीएमडी, एलपीएससी(बी)

कांग्रेस की 'हिसाब मांगो रैली' पर पुलिस ने पानी की बौछार की , महिला कार्यकर्ता बेहोश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में सोमवार को प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को नगर निगम मुख्यालय की ओर बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार की जिससे एक महिला कार्यकर्ता बेहोश हो गई। कांग्रेस ने टोंक रोड पर नेहरू पैलेस से नगर निगम मुख्यालय तक 'हिसाब मांगो रैली' निकाली। पार्टी ने जयपुर में घर–घर कचरा संग्रहण में कथित अनियमितताओं और खराब सफाई व्यवस्था, जलभराव, सीवर लाइनें जाम होने, क्षतिग्रस्त सड़कों और खराब पड़ी 'स्ट्रीट लाइट' एवं अन्य नागरिक समस्याओं को लेकर यह प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों के नगर निगम मुख्यालय पहुंचने से पहले ही पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उनका रास्ता रोक दिया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पार करने का प्रयास किया, इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का–मुक्की हुई।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने के लिए पानी की बौछार की। प्रदर्शन के दौरान राजस्थान के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास बैरिकेड पर चढ़ गए और जयपुर की बदहाल नागरिक व्यवस्थाओं को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

खाचरियावास ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में भी सड़कों की मरम्मत नहीं हुई है तथा हाल में हुई बारिश के बाद शहर की स्थिति और खराब हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शहर की सफाई और जलभराव की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस अपना आंदोलन और तेज करेगी। उन्होंने कहा, पुलिस तैनात की जा सकती है और बैरिकेड लगाए जा सकते हैं, लेकिन जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि लोगों के अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर विधानसभा तक जारी रहेगी। प्रदर्शन में पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

चोरी के डर से खेत में दबाए पांच लाख, दीमक ने नोटों को किया बर्बाद

जोधपुर। राजस्थान के बालोतरा जिले में एक किसान कथित तौर पर खेत में पांच लाख रुपये नकद मिट्टी के नीचे दबाकर भूल गया कि उसने ये पैसे कहां छिपाये हैं लेकिन अब उसे बुवाई के दौरान ये पैसे मिल गये हैं। हालांकि किसान का कहना है कि ये पैसे दीमक लगने से खराब हो गए हैं। पचपदरा के मांगीलाल मेघवाल ने बताया कि उसने जमीन बेचकर मिले पांच लाख रुपये से नेवई गांव में अपने कृषि क्षेत्र में एक कमरा बनवाने की योजना बनाई थी। किसान ने बताया कि चोरी होने या परिवार के सदस्यों द्वारा रकम खर्च किए जाने के डर से उसने पांच लाख रुपये पॉलीथिन की थैली में रखे तथा अपनी पत्नी एवं बेटों को बताए बिना खेत में एक गड्ढा खोदकर उसे दबा दिया। किसान का कहना है कि बाद में उसे वह जगह ठीक से याद नहीं रही, जहां उसने रुपये दबाए थे। इसके बाद उसने करीब 10 बीघा क्षेत्र में कई दिनों तक रकम की तलाश की, लेकिन उसे रुपये नहीं मिले।

इसके बाद मेघवाल ने अपनी पत्नी और बेटों को खेत में रुपये दबाने की जानकारी दी। परिवार के सदस्यों ने भी काफी तलाश की, लेकिन रकम नहीं मिली और अंततः उन्होंने तलाश बंद कर दी। हाल में हुई बारिश के बाद परिवार ने खेत में बुवाई की तैयारी शुरू की। शुक्रवार को ट्रैक्टर से खेत की जुताई के दौरान जमीन में दबाई गई पॉलीथिन की थैली बाहर निकल आई। परिवार को उसमें रुपये मिले, लेकिन तब तक नोट काफी खराब हो चुके थे।

गहलोत ने ममता बनर्जी के काफिले पर हमले की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने रविवार को उत्तर 24 परगना में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले पर कथित हमले की निंदा की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में ''अराजकता और भय'' का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रहीं बनर्जी के वाहन पर पत्थर, कीचड़ और जूते फेंके गए तथा पुलिस की मौजूदगी में नारेबाजी की गई। गहलोत ने एक बयान में कहा,भाजपा के शासन ने अराजकता और भय का माहौल पैदा कर दिया है। उत्तर 24 परगना में आज पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले पर हुआ हमला बदले की राजनीति के सबसे घृणित रूप का स्पष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बनर्जी ने स्वयं बताया है कि यदि उनके वाहन की खिड़कियां खुली होतीं तो उनकी जान खतरे में पड़ सकती थी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, यदि कोई पूर्व मुख्यमंत्री पुलिस की मौजूदगी में भी सुरक्षित नहीं है, तो राज्य में विपक्ष के आम कार्यकर्ताओं की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। गहलोत ने कहा कि यह घटना केवल किसी नेता पर हमला नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज को डराने और दबाने का प्रयास है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि कांग्रेस नेता हिंसा के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं और प्रेम तथा सद्भाव की बात करते हैं, जो देश की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा, फिर भी भाजपा इसे समझने को तैयार नहीं दिख रही है। गहलोत ने कहा कि पुलिस की कथित मौजूदगी में हमला होना प्रशासन के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से घटना का तत्काल संज्ञान लेने, बनर्जी की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया।

खरीद प्रक्रिया में अधिकतम राजीविका उत्पादों को किया जाए शामिल : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। राज्य सरकार द्वारा राजीविका से जुड़ी महिलाओं को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राजीविका के उत्पादों को सरकारी खरीद प्रक्रिया में शामिल किया जाए, ताकि स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री में अधिकतम वृद्धि हो पाए। श्रीनिवास सोमवार को शासन सचिवालय में राजकीय विभागों की खरीद प्रक्रिया में राजीविका के उत्पादों को प्राथमिकता देने के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि बाजार की मांग के अनुरूप राजीविका के उत्पादों की उचित मैपिंग की जाए। साथ ही इन उत्पादों की बिक्री एवं बाजार विस्तार के लिए मार्केट रिसर्च, उत्पादों की गुणवत्ता, पैकेजिंग, प्रबंधन, लॉजिस्टिक एवं तकनीकी सहयोग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रयास भी किए जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि राजीविका के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने के लिए ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने विभिन्न विभागों को उनके दैनिक कार्यों में उपयोग होने वाली वस्तुओं की खरीद में राजीविका के उत्पादों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाद्य उत्पाद, सैनिटरी नेपकिन, कपड़े, थैले, उपहार सामग्री, फूल, कार्यालय स्टेशनरी सहित अन्य उपयोगी वस्तुओं को खरीदते समय स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को प्राथमिकता दी जाएं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की इस पहल से राजीविका के उत्पादों को स्थायी बाजार उपलब्ध कराने के साथ–साथ राजकीय विभागों में भी उचित अवसर प्राप्त होंगे। इससे ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार मिलेगा और स्वयं सहायता समूहों की आर्थिक गतिविधियों को और गति मिलेगी। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव कौशल एवं उद्यमिता विभाग संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग कुंजी लाल मीणा, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग दिनेश कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा विभाग राजेश कुमार यादव सहित सबंधी विभागों के प्रमुख सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर में कलेक्ट्रेट परिसर से हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला स्तरीय ई – बाइक तिरंगा रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्रारंभ होकर नई सड़क, भाटी चौराहा रातानाडा, सर्किट हाऊस होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में समाप्त हुई। यात्रा के दौरान शहरवासियों ने कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

पटेल ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश आन, बान, शान और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव के तहत प्रारंभ की गई तिरंगा यात्रा जन–जन के अभियान के रूप में नई पीढ़ी में राष्ट्र भावना को सशक्त करने का माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय के दिल में बसता है, इसके सम्मान एवं गौरव की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मां भारती के प्रति कर्तव्य निभाना किसी पूजा से कम नहीं है और उसी भाव से हम सब मातृभूमि के कल्याण के लिए निरंतर परिश्रम करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान अवश्य दें। उन्होंने कहा हमें राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखते हुए भारत को पुनः विश्वगुरु बनाना है। उन्होंने कहा इस तिरंगे की आन–बान को कायम रखने के लिए प्रत्येक भारतवासी कृत– संकल्पित है। उन्होंने कहा हमारी आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों के बलिदान को युगों–युगों तक याद रखने के लिए यह तिरंगा हर घर में फहराया जाना चाहिए।

पूर्व सांसद राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान ने पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया है। हर घर लहराता हुआ तिरंगा राष्ट्र के प्रति हमारे प्रेम और समर्पण की अभिव्यक्ति है। लेकिन यह सम्मान हमारे घरों के साथ ही हमारे दिलों में भी होना चाहिए।

जिला स्तरीय 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित ई–बाइक तिरंगा रैली के अवसर पर विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कार्मिकों एवं प्रतिभागियों को राष्ट्रध्वज के सम्मान एवं देश की एकता–अखंडता की शपथ दिलाई। इसके पश्चात उन्होंने हरी झंडी दिखाकर ई– बाइक रैली को जिला कलक्टर कार्यालय से रवाना किया।

ई – बाइक रैली में सीमा सुरक्षा बल के जवानों, राजस्थान पुलिस की कालिका बटालियन, सरकारी विद्यालयों के छात्र–छात्राओं, स्काउट के विद्यार्थियों, पुलिस कार्मिकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं, नगर निगम, जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

एक राज्य-एक चुनाव से आर्थिक बचत और संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने सोमवार को शासन सचिवालय में आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव–2026 की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की। बैठक में चुनाव प्रक्रिया के सुचारू, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष संचालन के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई।

राजेश्वर सिंह ने कहा कि एक राज्य–एक चुनाव के तहत सभी पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों में एक साथ चुनाव कराने का निर्णय लेने के पीछे मुख्य उद्देश्य राजनीतिक स्थिरता,प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता तथा चुनाव के दौरान पारदर्शिता बनाए रखना है। एक साथ चुनाव कराने से आर्थिक बचत और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा, जिससे विकास योजनाओं की गति में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि समयबद्ध चुनाव कराने के लिए व्यापक प्रशासनिक तैयारियां की जा रही हैं।

राजेश्वर सिंह ने संबंधित अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने,आवश्यकतानुसार पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों के साथ समन्वय कर व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। साथ ही,नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने,संवीक्षा एवं नाम वापसी की प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा 21 जुलाई, 2026 को जारी आदेश में पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों के आम चुनाव के संदर्भ में निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापन के संबंध में जारी दिशा–निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए।

बैठक में नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों की चरणबद्ध व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग राजेश वर्मा ने बताया कि 39 जिलों में नगर निकाय चुनाव दो चरणों में तथा दो जिलों फलोदी एवं सलूम्बर में एक चरण में कराए जाएंगे।

इसी प्रकार पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के लिए 36 जिलों में चार चरणों, 4 जिलों में दो चरणों तथा एक जिले में एक चरण में चुनाव कराने की व्यवस्था प्रस्तावित है। जैसलमेर जिले में एक चरण के अनुसार चुनाव की व्यवस्था है। बैठक के दौरान वर्मा ने बताया कि प्रथम चरण में 140 नगर निकायों, 5,050 वार्डों एवं 10,185 मतदान केन्द्रों के लिए 71,295 सिविल निर्वाचन टीम एवं 61,110 पुलिस कार्मिकों की आवश्यकता होगी, जबकि द्वितीय चरण में 169 नगर निकाय, 5,195 वार्ड एवं 6,280 मतदान केन्द्रों के लिए 43,960 सिविल निर्वाचन टीम तथा 37,680 पुलिस कार्मिकों की आवश्यकता होगी। वर्मा ने बताया कि निर्वाचन में पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य एवं नगर निकाय सदस्यों के लिए ईवीएम से मतदान कराया जाएगा।

राजस्थान में बारिश सामान्य से 12.46 फीसदी कम

जयपुर। राजस्थान के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई, जबकि सीकर और झालावाड़ जिलों में कहीं–कहीं भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार सुबह तक पिछले 24 घंटे में सीकर के नीमकाथाना में सर्वाधिक 85 मिलीमीटर बारिश हुई, जो भारी बारिश की श्रेणी में आता है।

मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान में एक जून से 10 अगस्त तक कुल 234.02 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि में सामान्य औसत बारिश 267.34 मिलीमीटर है। इस तरह राज्य में बारिश 12.46 प्रतिशत कम रही। हालांकि, राज्य में बारिश सामान्य श्रेणी में है। सामान्य बारिश की श्रेणी औसत से 19 प्रतिशत कम से लेकर 19 प्रतिशत अधिक तक मानी जाती है।

मौसम विभाग ने बताया कि बाड़मेर, ब्यावर, भरतपुर, बीकानेर, डीग, डीडवाना–कुचामन, झुंझुनूं और फलोदी में औसत से 20 से 59 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है जबकि अजमेर, अलवर, बालोतरा, चूरू, धौलपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, खैरथल–तिजारा, कोटपूतली–बहरोड़, नागौर, प्रतापगढ़, सलूंबर और सीकर सामान्य वर्षा हुई।

कृषि सेवाओं को पारदर्शी एवं किसान केन्द्रित बनाया जाए : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को एग्रीस्टैक स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एग्रीस्टैक के तहत फॉर्मर रजिस्ट्री, फॉर्मर आईडी, डिजिटल क्रॉप सर्वे के साथ डेटा सिंक्रोनाइजेशन, एग्रीस्टैक आधारित उर्वरक वितरण, एमएसपी पर खरीद तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि एग्रीस्टैक का उद्देश्य डिजिटल डाटाबेस तैयार करने के साथ कृषक को उसकी भूमि, फसल एवं कृषि सेवाओं से संबंधित सुविधाएं एकीकृत एवं सुगम रूप से उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने विभागों के मध्य बेहतर समन्वय के साथ एग्रीस्टैक के सभी निर्धारित माइलस्टोन समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने फॉर्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष कृषकों के पंजीकरण को अभियान के रूप में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कम प्रगति वाले जिलों में विशेष फील्ड विजिट, संभागवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं प्रशिक्षण तथा कृषि पर्यवेक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री को शत–प्रतिशत पूर्ण करने के साथ इसे निरंतर अद्यतन रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए मोबाइल ऐप का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा शेष कृषकों को एसएमएस, समाचार पत्रों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाए।

श्रद्धा

पवित्र सावन महीने में सोमवार को अजमेर के ग्रामीण इलाके में पुष्कर झील से पवित्र जल भरकर लौटतीं महिला श्रद्धालु।

झारखंड पुलिस ने छात्र प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया, पानी की बौछारें छोड़ीं, आंसू गैस के गोले दागे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने अवरोधक तोड़े और राज्य विधानसभा तक पहुंचने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उनपर पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया, आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया।

इस बीच, आज दोपहर विधानसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। कई प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस की कार्रवाई में वे घायल हो गए। यह कार्रवाई उस वक्त हुई जब प्रदर्शनकारी नए विधानसभा परिसर की ओर जाने वाले मार्ग पर जगन्नाथपुर मंदिर के पास अंतिम अवरोधक तक पहुंचे थे। वर्तमान में झारखंड विधानसभा का सत्र चल रहा है। पीयूष कुमार सोनी नामक एक प्रदर्शनकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, लाठीचार्ज बहुत बर्बर था। हम शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन सरकार ने हम पर लाठियां बरसाईं। ये सिर्फ हमें शारीरिक चोट पहुंचा सकते हैं हमारी सोच को नहीं दबा सकते। उन्होंने दावा किया, कई छात्राओं को भी चोटें आईं। पुलिस ने हमारे सिर, हाथों, चेहरे हर जगह वार किये। हजारीबाग जिले से आए विक्रम कुमार ने दावा किया कि उनके सिर पर चोट आई है। उन्होंने कहा, ''हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार हमारे साथ जो कुछ भी कर रही है वह ठीक नहीं है। हम शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे फिर आपकी पुलिस हम पर लाठियां क्यों बरसा रही थी।''

सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 51वां जन्मदिन है और इसी दिन प्रदर्शनकारियों ने पुराने विधानसभा भवन के बाहर से सुबह करीब साढ़े 10 बजे मार्च शुरू किया। छात्रों ने प्रदर्शन के 17वें दिन अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। भारतीय जनता युवा मोर्चा की राज्य इकाई के अध्यक्ष शशांक राज ने कहा, ''आज लोकतंत्र के लिए काला दिन है, क्योंकि पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठियां चलाईं। कई प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं।'' उन्होंने मुख्यमंत्री से छात्रों की मांगों के प्रति ''संवेदनहीन'' नहीं होने की अपील की। इस मुद्दे पर नौ दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) नेता देवेंद्रनाथ महतो एंबुलेंस में बैठकर इस मार्च में शामिल हुए। इस दौरान वह पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की तस्वीर लिए हुए नजर आए। विधानसभा तक मार्च के रास्ते पर कंटीले तारों के अवरोधक लगाए जाने का विरोध करते हुए महतो ने कहा कि छात्रों के साथ हुए अन्याय को लेकर उनमें गुस्सा पनप रहा है। उन्होंने कहा, ''सरकार हमारी आवाज दबाने पर आमादा है। अब हम कोई बातचीत नहीं करेंगे।'' प्रदर्शनकारी अपने हाथों में तिरंगा और तख्तियां लिये हुए थे, जिस पर लिखा था ''जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करें या सीबीआई जांच कराएं'', ''जेएसएससी पर छापेमारी करने से क्यों बच रही है सीआईडी?'' और ''निष्पक्ष जांच कराएं, सच सामने लाएं''।

लक्ष्मी योजना दिल्ली सरकार की सबसे बड़ी योजना : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा में कहा कि लक्ष्मी योजना, दिल्ली सरकार की अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय सहायता योजना है। योजना के संबंध में धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए गुप्ता ने यह भी कहा कि सरकार का लक्ष्य 17 लाख लाभार्थियों का है और जब तक यह हासिल नहीं हो जाता, योजना के तहत पंजीकरण प्रक्रिया नहीं रुकेगी।

गुप्ता ने कहा, ''दिल्ली लक्ष्मी योजना सरकार की सबसे बड़ी योजना है, चाहे 15 साल की सरकार (कांग्रेस) हो या 11 साल की सरकार (आप'), किसी ने यह नहीं किया। (भाजपा) सरकार ने दिल्ली की महिलाओं के लिए ऐसा करने का संकल्प लिया है।'' उन्होंने कहा कि योजना शुरू होने के केवल 10 दिन में इसके तहत लगभग 5.92 लाख पंजीकरण हो चुके हैं और हमारा लक्ष्य 17 लाख ऐसी महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने का है, जो वास्तव में हकदार हैं। जब तक हम उस आंकड़े तक नहीं पहुंच जाते तब तक पंजीकरण बंद नहीं करेंगे। दिल्ली लक्ष्मी योजना एक अगस्त को शुरू की गई थी। योजना की पहली किस्त रक्षा बंधन के त्योहार के आसपास जारी होने की संभावना है, जो 28 अगस्त को मनाया जाएगा।

राहुल ने झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों पर बल प्रयोग की निंदा की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों पर बल प्रयोग की निंदा करते हुए कहा कि वह एवं उनकी पार्टी शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ हिंसा का समर्थन नहीं करती। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में गांधी ने कहा कि कांग्रेस शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ हिंसा की निंदा करती है, चाहे ऐसी घटना कहीं भी हुई हो। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, झारखंड के छात्रों के लिए मुझे यही कहना है कि हम शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ हिंसा की निंदा करते हैं। यह मायने नहीं रखता कि यह कहां हो रहा है, हम इसकी निंदा करते हैं। हम इसकी (हिंसा) सलाह नहीं देते, हम इसका समर्थन नहीं करते। हमें इसको लेकर कोई असमंजस नहीं है।'' गांधी ने कहा, ''जब प्रदर्शन शांतिपूर्वक हो रहा है तब हम उसे हिंसा का प्रयोग करने के खिलाफ हैं।'' प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने अवरोधक तोड़े और राज्य विधानसभा तक पहुंचने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उनपर पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया, आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इस बीच, आज दोपहर विधानसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। कई प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस की कार्रवाई में वे घायल हो गए। यह कार्रवाई उस वक्त हुई जब प्रदर्शनकारी नए विधानसभा परिसर की ओर जाने वाले मार्ग पर जगन्नाथपुर मंदिर के पास अंतिम अवरोधक तक पहुंचे थे। वर्तमान में झारखंड विधानसभा का सत्र चल रहा है।

एशियाई शेरों की बढ़ती जनसंख्या : यादव

एक दशक में संख्या 523 से बढ़कर 891 हुई

नई दिल्ली/भाषा। भारत में एशियाई शेरों की संख्या 2015 में 523 से बढ़कर 2025 में 891 हो गई। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मंत्री ने 'विश्व शेर दिवस-2026' के अवसर पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि एशियाई शेरों के संरक्षण में मिली सफलता, वन्यजीवों और जैव-विविधता के प्रति देश की प्रतिबद्धता को गौरवान्वित करने वाला है। मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, ''महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा से लेकर संरक्षण के प्रयासों को मज़बूत करने तक, भारत ने यह दिखाया है कि विकास और प्रकृति संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''विश्व शेर दिवस के मौके पर, आइए हम अपनी प्राकृतिक विरासत की रक्षा करने का संकल्प दोहराएं और यह सुनिश्चित करें कि एशियाई शेर की दहाड़ आने वाली पीढ़ियों तक गूंजती रहे।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शेरों के दीर्घकालिक संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए 15 अगस्त, 2020 को 'प्रोजेक्ट लायन' की घोषणा की थी। भारत में शेरों के संरक्षण का कुल क्षेत्रफल 2020 में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर लगभग 35,000 वर्ग किलोमीटर हो गया है।

नौसेना प्रमुख समुद्री साझेदारी को मजबूत करने के लिए मॉरीशस की यात्रा पर

नई दिल्ली/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को मजबूत करने के लिए सोमवार को मॉरीशस की चार दिवसीय यात्रा शुरू की। भारतीय नौसेना के अनुसार, एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन मॉरीशस सरकार के शीर्ष नेतृत्व के साथ ''पारस्परिक हित'' से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे। इनमें समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, दक्षता विकास और सैन्य सहयोग जैसे विषय शामिल हैं। नौसेना ने कहा, ''यह यात्रा भारत की ओर से द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को मजबूत करने और हिंद महासागर क्षेत्र में बेहद महत्वपूर्ण साझेदार मॉरीशस के साथ रक्षा संबंधों को और प्रगाढ़ करने के लिए जारी प्रयासों का हिस्सा है।'' भारत और मॉरीशस के बीच लंबे समय से समुद्री साझेदारी है और भारतीय नौसेना प्रशिक्षण आदान-प्रदान, विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की संयुक्त निगरानी, बंदरगाह यात्राओं और जल सर्वेक्षण के जरिए इस द्वीपीय देश के राष्ट्रीय तटरक्षक बल के साथ नियमित रूप से सहयोग करती है। मॉरीशस भारतीय नौसेना की प्रमुख पहल में नियमित रूप से भाग लेता रहा है, जिनमें बहुपक्षीय 'नौसैन्य अभ्यास मिलन', इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू और गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव शामिल हैं। ये पहल भारत के 'महासागर' दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

बैंक संबंधी नए कानून से अदालत में मान्य होंगे डिजिटल-इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि बैंकों के बही साक्ष्य संबंधी प्रस्तावित कानून के लागू होने के बाद बैंकों के लेनदेन संबंधी डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड की प्रमाणित प्रति अदालत में मान्य हो सकेगी। उच्च सदन में बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026' पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में कारोबार की सुविधा के लिए कई औपनिवेशिक कानूनों को हटाया गया और कई में बदलाव किया गया है।

उन्होंने कहा कि आज बैंकिंग सेवाओं का बड़े स्तर पर डिजिटीलकरण हो गया है और बैंकिंग क्षेत्र की इस जरूरत को देखते हुए मूल कानून में बदलाव किया गया है। उन्होंने कहा कि मूल कानून में कागज आधारित प्रति पर बहुत जोर दिया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि पहले बैंकों को उनके लेनदेन को लेकर कागजी रिकार्ड लेकर अदालत में बुलाया जाता था और मूल कानून में डिजिटल रिकार्ड का उल्लेख नहीं था। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से बैंक डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड की प्रमाणिक प्रति को अदालत में साक्ष्य के रूप में पेश किया जा सकेगा और उसे मान्यता मिलेगी। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि अदालत में बैंक लेनदेन से संबंधित रिकार्ड पेश करते समय गोपनीयता को पूरी तरह से बरकरार रखा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक-डिजिटल स्वरूप या भौतिक स्वरूप, किसी भी तरह से रिकार्ड को पेश किए जाने का प्रावधान किया गया है।

प्रस्तावित कानून में 'बैंककार बही' की परिभाषा का दायरा बढ़ाकर डिजिटल, क्लाउड-आधारित और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को भी शामिल किया गया है। विधेयक में अदालतों के समक्ष डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग रिकॉर्ड को साक्ष्य के रूप में पेश करने तथा उनके प्रमाणन के लिए स्पष्ट और एकसमान नियम निर्धारित करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, बैंक अधिकारियों को बिना ठोस आधार के बार-बार अदालतों में तलब किए जाने से बचाने के लिए 'विशेष कारण' (स्पेशल कॉज) परीक्षण का प्रावधान भी किया गया है। वित्त मंत्री के जवाब के बाद उच्च सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

उत्तर कर्नाटक तेरापंथ आंचलिक सभा का शपथ ग्रहण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. मुनि आलोक कुमार जी के सान्निध्य में जैन श्वेताम्बर उत्तर कर्नाटक तेरापंथ आंचलिक सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष महेन्द्र पालगोता एवं उनकी नई कार्यकारिणी समिति ने शपथ ग्रहण की। पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र जीरावला व अन्य वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति में शपथ दिलाई गई। अध्यक्ष के रूप में महेन्द्र पालगोता, उपाध्यक्ष मांगीलाल तातेड़ एवं राजेश सुराणा ने, महामंत्री पुष्पराज बाफना, कोषाध्यक्ष प्रमोद चौपड़ा, सहमंत्री केसरीचन्द गोलछा एवं किशोर तलेसरा, संगठन मंत्री(4) प्रवीण गोठी, महावीर नाहर, जगदीश कोठारी व प्रवीण आंचलिया तथा प्रचार प्रसार मंत्री देवराज चौपड़ा सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ली। समारोह में उपस्थित उत्तर कर्नाटक तेरापंथ आंचलिक सभा, गदग व महासभा के प्रतिनिधियों व सदस्यों ने नई कमेटी को शुभकामनाएं दी।

मुनिश्री आलोक कुमारजी ने गुरु-निष्ठा, संघ सेवा, समाज सेवा, प्रमाणिकता एवं कर्तव्यनिष्ठा पर प्रकाश डालते हुए नवगठित कार्यकारिणी समिति को आशीर्वाद प्रदान किया और समाज एवं संघ की सेवा में निरंतर अग्रसर रहने की लिए प्रोत्साहित किया। सुरेश कोठारी एवं पूर्व मंत्री रमेश चोपड़ा ने विभिन्न सत्रों का संचालन किया। मंत्री पुष्पराज बाफना ने धन्यवाद दिया ।

अपनी 105 साल की मां को कांवड़ में बैठाकर हरिद्वार से गंगाजल लेकर संभल लौटा बेटा-पोता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। सावन माह में लाखों कांवड़िये जहां भक्ति और श्रद्धा के साथ गंगाजल लेकर आ रहे हैं, वहीं संभल के एक शिवभक्त ने अपनी कांवड़ को मातृसेवा का रूप देकर सबको भावुक कर दिया। चंदौसी तहसील के खेतापुर गांव के जोगिंदर (52) ने अपने बेटे प्रमोद (26) के साथ 105 वर्षीय मां हरदेई को हरिद्वार से कांवड़ में बैठाकर करीब 200 किलोमीटर पैदल चलकर सोमवार को घर लौटे। जोगिंदर के कंधों पर कांवड़ के एक पलड़े में 28 लीटर गंगाजल था तो दूसरे पलड़े में साक्षात उनकी मां बैठी थीं। जहां-जहां से यह अनोखी कांवड़ गुजरी, लोगों ने नमन किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने इस प्रयास की खूब सराहना की। जैसे ही जोगिंदर अपनी कांवड़ के साथ संभल पहुंचे, सड़क किनारे श्रद्धालुओं और राहगीरों की भीड़ जुट गई। पूरे रास्ते लोग उनकी मातृभक्ति और शिवभक्ति की प्रशंसा करते रहे।

जोगिंदर ने बताया, ''मेरा सपना था कि अपनी 105 वर्षीय मां को हरिद्वार में गंगा स्नान कराऊं। इसलिए अपने बेटे के साथ हरिद्वार गया और वहां से कांवड़ के एक पलड़े में गंगाजल और दूसरे में मां को बैठाकर पैदल लौट आया।'' उन्होंने बताया कि वे 28 जुलाई को हरिद्वार से चले थे और नौ दिन बाद आज संभल पहुंचे हैं तथा अब मंगलवार को शिव तेरस पर वे अपनी मां के साथ गंगाजल से भोले बाबा का जलाभिषेक करेंगे। जोगिंदर के पुत्र प्रमोद ने कहा, हमारा और पिताजी का सपना था कि दादी को एक बार गंगा स्नान कराकर लाएं। इस बार मौका मिला तो पूरा कर दिया। हरिद्वार से यहां तक आने में नौ दिन लगे। इस कांवड़ का वजन करीब 65 किलो है, जिसमें 28 लीटर गंगाजल है। यह आस्था थी तो ले आए, सपना पूरा हो गया। हरदेई ने कहा, ''मेरे बेटे और पोते ने बहुत बढ़िया काम किया है। मुझे बहुत खुशी है।'' यह कहते हुए वह भावुक हो गईं।

स्व इन्द्रियों पर विजय पाना अत्यंत कठिन कार्य : कमलेशमुनि

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के स्थाकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने उपाध्याय केवल मुनिजी की जयंती पर संतश्री के गुणों को याद करते हुए कहा कि दुश्मनों पर विजय पाना आसान है परंतु अपनी इन्द्रियों पर विजय पाना अत्यंत कठिन है।

इन्द्रियों का गुलाम बना हुआ व्यक्ति मकड़ी के जाले की भाँति उलझकर अपने प्राणों का अंत कर देता है। इन्द्रियों का गुलाम आत्मा की शक्ति का साक्षात्कार नहीं कर सकता है और रोग का शिकार बनता है, आत्मा के कर्मों का का बोध होता है और साधना का सबसे बड़ा शत्रु बन जाता है। इन्द्रिय का सुख अनंत दुखों को देने वाला है। इस आत्मा की शक्ति को इन्द्रिय विजय साधना द्वारा उपयोग किया जाए तो चमत्कार हो सकते हैं। सक्षम मुनिजी और कौशल मुनिजी ने मांगलचरण किया। घनश्याम मुनिजी व अक्षत मुनिजी ने अपने विचार व्यक्त किए।

नीट प्रश्नपत्र लीक : अदालत ने 'लाई-डिटेक्टर टेस्ट' कराने की तीन आरोपियों की याचिका खारिज की

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले की सुनवाई कर रही दिल्ली की एक विशेष त्वरित अदालत ने सोमवार को तीन आरोपियों की एक याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने अपनी इच्छा से 'लाई डिटेक्टर टेस्ट' और 'ब्रेन मैपिंग' कराने का अनुरोध किया था। विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने तीन आरोपियों मंगल लाल बीवाल, दिनेश बीवाल और विकास बीवाल की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने लाई डिटेक्टर टेस्ट और 'ब्रेन इलेक्ट्रिकल एक्टिवेशन प्रोफाइल' (बीईएपी) जांच कराने की अनुमति मांगी थी। बीईएपी को ब्रेन मैपिंग भी कहा जाता है।

बेरोजगारी की समस्या दूर करें केंद्र और राज्य सरकारें : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को केंद्र और राज्य सरकारों से खाली सरकारी पदों पर भर्ती शुरू करने तथा बेरोजगारी, महंगाई एवं गरीबों और कामकाजी लोगों को प्रभावित करने वाले अन्य मुद्दों से निपटने के लिए असरदार कदम उठाने की अपील की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि उत्तर प्रदेश में बसपा की पिछली सरकार ने पुलिस और पंचायती राज विभागों में लगभग दो लाख 25 हजार नये सरकारी पद सृजित किये थे और भर्ती पर लगी रोक हटा दी थी, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों के कई लाख लोगों को नौकरी मिली थी।

मायावती चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। वह आखिरी बार 2007 से 2012 तक राज्य की मुख्यमंत्री रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद की सरकारें महंगाई, अत्यधिक गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, खराब स्वास्थ्य सेवा, पिछड़ेपन, पलायन, महिलाओं की सुरक्षा, पेपर लीक और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों के प्रति उदासीन एवं लापरवाह रही हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉजपा के 36 दिनों तक चले आंदोलन का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा कि बेरोजगारी और अनिश्चित भविष्य इस वक्त राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे बन गए हैं। उन्होंने मांग की कि सरकारें तुरंत गरीबों, श्रमिकों, युवाओं और महिलाओं की चिंताओं का समाधान करें। सरकारी नौकरियों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताते हुए उन्होंने राष्ट्रीय संपत्तियों को निजी हाथों में बेचे जाने को रोकने और सभी सरकारी विभागों में खाली पदों पर भ्रष्टाचार और पेपर-लीक मुक्त भर्ती तुरंत शुरू करने की मांग की। मायावती ने कहा कि एक परिवार में कम से कम एक सरकारी नौकरी देने से लाखों परिवारों को इसका सीधा फायदा हो सकता है और आरक्षण के लाभों से काफी हद तक वंचित रखे गये अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों को अधिक सुरक्षा मिल सकती है। उन्होंने कहा, ''सभी सरकारों को हर हाल में मुनाफाखोरी/लाभ कमाने वाली व्यापारिक सोच/प्रवृति को त्याग कर संविधान की सही मानवतावादी एवं कल्याणकारी नीति एवं सिद्धान्त को पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ अमल करके आगे बढ़ाना होगा।''

बसपा प्रमुख ने कहा कि जंतर मंतर पर आन्दोलित छात्र-छात्राओं एवं बेरोजगार युवाओं के मुद्दों को लेकर संसद के वर्तमान सत्र में अब तक लगातार जारी गतिरोध को भी समाप्त किया जाना ज़रूरी है, ताकि बिना समुचित बहस और चर्चा के सरकारी विधेयकों को पारित होकर कानून बनने की प्रक्रिया पर विराम लग सके।

संसद में ममता के काफिले पर हमले का मुद्दा उठाने से रोका गया : तृणमूल सांसद हक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को संसद में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले पर कथित हमले का मुद्दा उठाया और इस घटना, पार्टी कार्यकर्ता की मौत तथा प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के खिलाफ कथित बल प्रयोग पर तत्काल चर्चा की मांग की। पार्टी के एक सांसद ने यह जानकारी दी।

सांसद ने बताया कि हालांकि पार्टी को यह मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं दी गई। राज्यसभा सदस्य नदीमुल हक ने कहा कि पार्टी ने चर्चा के लिए कामकाज स्थगित करने की मांग करते हुए नियम 267 के तहत नोटिस दिया था लेकिन राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने इसकी अनुमति नहीं दी।

नोटिस में रविवार को ममता बनर्जी के काफिले पर हुए कथित हमले का उल्लेख किया गया था।

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में पुलिस हिरासत में मारे गए तृणमूल कार्यकर्ता बिरजू केओट के परिवार से मिलने जा रही थीं, तभी यह घटना हुई थी।

सुविचार

हर दिन को विशेष बनाइए। अच्छे विचार सोचिए, अच्छे कर्म कीजिए, आत्मविश्वास बनाए रखिए, जीवन सफल और सार्थक बनेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सपनों का बोझ और राजनीतिक मौन

दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्ष के नेताओं में जेन ज़ी का हमदर्द बनने की होड़ मच गई थी। हर कोई जोशीले बयान देकर खुद को क्रांतिकारी साबित करना चाहता था। वहीं, रांची में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के बाद सब खामोश हैं या बहुत नपे-तुले शब्दों में बयान दे रहे हैं। कथित क्रांति की जो ज्वाला दिल्ली में धधक रही थी, उसे रांची का रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है। ये दोहरे मापदंड क्यों? सरकार भाजपा की हो या कांग्रेस की, या किसी अन्य पार्टी की, युवाओं से जुड़े कुछ मुद्दे ऐसे हैं, जो भविष्य में उनके लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होंगे। पेपरलीक तो सिर्फ एक मुद्दा है। मान लीजिए कि अगले 10 वर्षों तक कोई पेपरलीक नहीं होगा, लेकिन उन युवाओं का क्या होगा जिन्हें किसी परीक्षा में सफलता नहीं मिलेगी? उन युवाओं का क्या होगा जो बार-बार परीक्षाएं देंगे और नतीजे देखकर निराश होंगे? अगर भविष्य में वे भी कोई संगठन खड़ा कर हंगामा करेंगे तो सरकार क्या करेगी? भारत की आज़ादी के बाद दो तरह के चलन को काफी बढ़ावा मिला, जिसके नतीजे आज सरकारों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। पहला, हर विद्यार्थी को डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी अफसर बनने का सपना दिखाया जाता है। अगर नहीं बने तो क्या होगा – इस बारे में कुछ नहीं बताया जाता है। दूसरा, पढ़ाई-लिखाई का मकसद आराम की ज़िंदगी समझा जाता है। सरकारों ने भी इन्हें बदलने के लिए कुछ नहीं किया। किस राजनीतिक पार्टी में इतनी हिम्मत है कि वह इन दोनों बिंदुओं को चुनौती दे? जो ऐसा करेगी, अपना वोटबैंक गंवाएगी।

युवा भी सच सुनने को तैयार नहीं हैं। कई तो इसलिए डॉक्टर बनना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें बचपन से ही इसका सपना दिखाया गया था। उन पर रिश्तेदारों, पड़ोसियों, दोस्तों आदि का दबाव होता है। उन्हें खुद से भी पूछना चाहिए- 'क्या मैं सच में डॉक्टर बनना चाहता हूं? क्या यह मेरा फैसला है?' हमारे देश में ऐसे ढेरों उदाहरण मिल जाएंगे, जब कोई एक लड़का पटवारी या क्लर्क बन गया तो पूरा मोहल्ला इन्हीं परीक्षाओं की तैयारी में लग गया। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के एक गांव में किसी लड़के का चयन वायुसेना में हो गया। इस घटना के बाद उसके ताऊ, चाचा, रिश्तेदारों, पड़ोसियों ... सबके लड़के वायुसेना भर्ती की तैयारी में जुट गए। एक लड़का जो सीए की पढ़ाई कर रहा था, वह भी उस मंडली में शामिल हो गया। हालांकि, उनमें से किसी का चयन वायुसेना में नहीं हुआ। कई लोग ऐसे हैं, जिनकी पढ़ने-पढ़ाने में कोई रुचि नहीं है, लेकिन वे बीएड करके बैठे हैं कि एक दिन मास्टरजी बन जाएंगे। राजस्थान के गांव का एक व्यक्ति, जो नब्बे के दशक में बिहार से बीएड करके आया था, का आज तक शिक्षक भर्ती परीक्षा में चयन नहीं हुआ। उसने समय रहते कपड़ों की दुकान खोल ली, जो बढ़िया चल निकली। उसने बीएड इसलिए की थी, क्योंकि उसके पिता सरकारी शिक्षक थे, जिन्होंने बहुत मजे में नौकरी की थी। वे न कभी छात्रों को पढ़ाने पर ध्यान देते थे, न कभी परीक्षा के नतीजों की परवाह करते थे। ठाठ से अपना साइड बिजनेस करते रहे और एक दिन सेवानिवृत्त हो गए। भरपूर पेंशन, समाज में रौब, रिश्तेदारों में विशेष सम्मान मिला सो अलग। उनका रुतबा देखकर कई लोगों ने बीएड की, लेकिन सफलता किसी को नहीं मिली। अगर उस शिक्षक के बेटे ने बीएड करने के बजाय कपड़ों के व्यापार से संबंधित कोई प्रशिक्षण लिया होता तो अपने पेशे में बहुत उन्नति करता। हर विद्यार्थी डॉक्टर नहीं बन सकता, इंजीनियर नहीं बन सकता, अफसर नहीं बन सकता और न ही हर विद्यार्थी शिक्षक बन सकता है। हमारी शिक्षा पद्धति ऐसी होनी चाहिए, जो हर विद्यार्थी की नैसर्गिक प्रतिभा को पहचाने और उसे उपयुक्त क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे।

ट्वीटर टॉक

इंडियन बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने ग्लासगो में न सिर्फ रिंग में ज़बरदस्त परफॉर्मेंस दी, बल्कि ग्लासगो के एक रेस्टोरेंट में भारत के मैप से नॉर्थईस्ट को हटाने के खिलाफ आवाज़ भी उठाई और इसे ठीक करवाया। जिसकी तारीफ़ माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी की है।

-भजनलाल शर्मा

वर्ल्ड ट्राइबल डे के मौके पर मैं कोटा विधानसभा क्षेत्र के कोट्या भील पार्क में हुए प्रोग्राम में आदिवासी समाज के भाई-बहनों के बीच मौजूद था और उन्हें शुभकामनाएं दीं। आदिवासी समाज ने सदियों से जल, जंगल और ज़मीन की रक्षा में अपना अमूल्य योगदान दिया है।

-ओम बिरला

शांति से अपने भविष्य के बारे में सवाल पूछ रहे स्टूडेंट्स पर पेलेट गन, कील लगी लाठियां, आंसू गैस छोड़ी गई। पुलिस ने जवान लड़कियों को पीटा, कई के प्राइवेट पार्ट्स पर चोटें आईं। नाबालिगों की हड्डियां टूट गईं। मोदी सरकार ऐसे देती है सवाल का जवाब।

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

शिव में विलीन होने की आध्यात्मिक रात्रि

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सर्वाधिक पवित्र माना जाता है। इस पूरे महीने शिवालयों में भक्तगण जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, दुग्धाभिषेक और पंचामृत से अभिषेक, व्रत तथा विशेष पूजन-अर्चन, आराधना, भजन-कीर्तन आदि करते हैं। सावन महीने में सोमवार के व्रत का तो विशेष महत्व होता ही है, साथ ही इस महीने की शिवरात्रि भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शिवरात्रि का व्रत करने से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं। वहीं, पवित्र भाव से सावन शिवरात्रि का पावन पर्व मनाने वाले भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही, भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा से उनके समस्त रोग, शोक, दुख और कष्ट दूर होते हैं। इस वर्ष सावन शिवरात्रि का पावन पर्व 11 अगस्त को मनाया जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को शिवरात्रि होती है, जिसे मासिक शिवरात्रि कहा जाता है। इस प्रकार पूरे वर्ष में ऐसी 12 शिवरात्रियां आती हैं। शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार, इन सभी शिवरात्रियों में दो शिवरात्रियां विशेष मानी जाती हैंएक फाल्गुन महीने की और दूसरी श्रावण (सावन) महीने की शिवरात्रि।

सामयिक

विदेशी अंशदान कानून पर क्यों मचा है घमासान?

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

भारत में विदेशी धन प्राप्त करने वाली सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और जन कल्याणकारी संस्थाओं को नियंत्रित करने वाला विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) चर्चा और विवाद का विषय बना हुआ है। अब विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और धार्मिक संस्थाओं के बीच बहस तेज हो गई है। सरकार का कहना है कि विदेशी धन का उपयोग भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय हित और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रतिकूल नहीं होना चाहिए। दूसरी ओर विरोध करने वालों का आरोप है कि प्रस्तावित बदलाव सरकार को संस्थाओं पर अत्यधिक नियंत्रण का अधिकार दे सकते हैं और नागरिक समाज की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम, 2010 का मूल उद्देश्य विदेशी स्रोतों से प्राप्त धन के आगमन और उसके उपयोग को नियंत्रित करना है। भारत में अनेक सामाजिक संस्थाएं, धर्मार्थ संगठन, शैक्षणिक संस्थान और अन्य गैर सरकारी संगठन विदेशों से मिलने वाले अनुदान के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, राहत, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण और अन्य जन कल्याणकारी कार्य करते हैं। कानून यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि विदेशी धन का इस्तेमाल ऐसी गतिविधियों के लिए न हो जो देश के राष्ट्रीय हित के लिए हानिकारक हों। केंद्रीय गृह मंत्रालय की व्यवस्था के अनुसार विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाली पात्र संस्थाओं को पंजीकरण या पूर्व अनुमति लेनी होती है तथा उन्हें प्राप्त धन और उसके उपयोग का हिसाब रखना पड़ता है।

वर्तमान विवाद का सबसे महत्वपूर्ण कारण विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक, 2026 में प्रस्तावित वह व्यवस्था है जिसके तहत किसी संस्था का विदेशी अंशदान संबंधी प्रमाणपत्र समाप्त, रद्द या वापस हो जाने की स्थिति में विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियों के संबंध में एक विशेष व्यवस्था लागू होगी। विधेयक में ऐसी संपत्तियों के संरक्षण, प्रबंधन और निस्तारण के लिए नामित प्राधिकरण की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। यही प्रावधान विरोध का सबसे बड़ा कारण बन गया है। आलोचकों का कहना है कि किसी संस्था का पंजीकरण रद्द होने या उसका नवीनीकरण न होने की स्थिति में उसकी संपत्तियों पर सरकारी नियंत्रण स्थापित होना गंभीर विषय है। उनके अनुसार किसी संस्था ने यदि वर्षों तक विदेशी और घरेलू दोनों प्रकार के संसाधनों से विद्यालय, चिकित्सालय, आश्रयगृह, प्रशिक्षण केंद्र या अन्य जनसेवा की संपत्तियां खड़ी की हैं तो केवल विदेशी अंशदान संबंधी अनुमति समाप्त होने के कारण उन

संपत्तियों पर सरकारी अधिकार का प्रश्न उठना स्वाभाविक रूप से चिंता पैदा करता है। संसदीय विश्लेषण में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि प्रमाणपत्र समाप्त होने के साथ संपत्तियों के अधिकार और उपयोग को लेकर गंभीर कानूनी प्रश्न पैदा हो सकते हैं।

सरकार का पक्ष इससे अलग है। सरकार का तर्क है कि वर्तमान व्यवस्था में विदेशी अंशदान से निर्मित संपत्तियों के संबंध में प्रमाणपत्र समाप्त होने के बाद क्या किया जाए, इसे लेकर पर्याप्त स्पष्ट और व्यवस्थित तंत्र नहीं था। प्रस्तावित कानून इस कमी को दूर करने का प्रयास करता है। सरकार के अनुसार यदि किसी संस्था को विदेशी धन प्राप्त करने की अनुमति नहीं है तो विदेशी धन से निर्मित संपत्तियों को बिना किसी निगरानी के संस्था के पास छोड़ देना उचित नहीं होगा। इसलिए उनके संरक्षण और प्रबंधन के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था आवश्यक है। विरोध का दूसरा महत्वपूर्ण कारण सरकार के अधिकारों के विस्तार से जुड़ा है। आलोचकों का कहना है कि विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाली संस्थाओं पर पहले से ही अनेक प्रकार की निगरानी और अनुपालन संबंधी शर्तें लागू हैं। वर्ष 2026 में जारी नए नियमों के बाद संस्थाओं से उनकी गतिविधियों, कार्यक्षेत्र और प्रमुख पदाधिकारियों से संबंधित अधिक विस्तृत जानकारी की अपेक्षा की गई है। आलोचकों को आशंका है कि इससे निगरानी केवल धन के स्रोत और उपयोग तक सीमित न रहकर संस्था की सामान्य गतिविधियों तक पहुंच सकती है।

यहां मूल प्रश्न पारदर्शिता और स्वतंत्रता के बीच संतुलन का है। किसी भी देश को यह अधिकार है कि वह विदेश से आने वाले धन की निगरानी करे और यह सुनिश्चित करे कि उसका उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था के विरुद्ध न हो। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में विदेशी धन के माध्यम से राजनीतिक, धार्मिक या सामाजिक प्रभाव डालने की संभावना को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए विदेशी अंशदान पर नियंत्रण की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। सरकार भी इसी आधार पर कड़े प्रावधानों को आवश्यक बताती है। लेकिन दूसरी ओर यह भी महत्वपूर्ण है कि नियम इतने कठोर न हो जाएं कि वास्तविक जनसेवा करने वाली संस्थाओं के लिए काम करना कठिन हो जाए। अनेक संस्थाएं विदेशी सहायता के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा राहत और सामाजिक विकास से जुड़े काम करती हैं। यदि प्रशासनिक नियम अत्यधिक जटिल हो जाएं या छोटी प्रक्रियात्मक भूलों के कारण संस्थाओं पर कठोर कार्रवाई होने लगे तो इसका सीधा प्रभाव उन लोगों पर पड़ सकता है जिन्हें इन संस्थाओं से सहायता मिलती है। इसलिए आलोचक चाहते हैं कि कानून में कार्रवाई और दंड के बीच स्पष्ट अनुपात बना रहे।

विवाद का एक पहलू धार्मिक संस्थाओं से भी जुड़ा हुआ है। विशेष रूप से कुछ चर्च संगठनों ने प्रस्तावित बदलावों के खिलाफ आवाज उठाई है। मिजोरम में विभिन्न चर्च संगठनों ने प्रस्तावित संशोधन के विरोध में प्रदर्शन की घोषणा की है। उनका कहना है कि विदेशी सहायता से चलने वाली अनेक संस्थाएं शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में काम करती हैं और नए प्रावधान उनके काम को प्रभावित कर सकते हैं। विपक्षी राजनीतिक दलों ने भी विधेयक का विरोध तेज कर दिया है। कांग्रेस सहित विपक्ष का आरोप है कि प्रस्तावित कानून गैर सरकारी संगठनों को निशाना बनाने और सरकार की आलोचना करने वाली संस्थाओं पर दबाव बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। कांग्रेस ने 9 अगस्त 2026 को विधेयक के विरोध को लेकर अपना रुख और स्पष्ट किया तथा इसे जन विरोधी बताते हुए विरोध करने की बात कही। हालांकि ये राजनीतिक दलों के आरोप हैं और इन्हें कानून का प्रमाणित प्रभाव नहीं माना जा सकता।

विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान भी हैं जिन्हें सरकार सुधार के रूप में प्रस्तुत कर रही है। उदाहरण के लिए विदेशी अंशदान संबंधी प्रमाणपत्र समाप्त होने के बाद संपत्तियों के प्रबंधन की स्पष्ट व्यवस्था बनाई जा रही है। इसके अतिरिक्त कुछ अपराधों के लिए अधिकतम कारावास की अवधि को 5 वर्ष से घटाकर 1 वर्ष करने का प्रस्ताव भी है। इससे स्पष्ट होता है कि प्रस्तावित संशोधन केवल कठोरता बढ़ाने वाला नहीं है, बल्कि कानून के कुछ हिस्सों में दंड व्यवस्था को कम करने और प्रशासनिक व्यवस्था को स्पष्ट करने का प्रयास भी करता है। वास्तविक चुनौती यह है कि विदेशी धन के नियमन को राजनीतिक असहमति के नियमन में बदलने से कैसे रोका जाए। किसी संस्था का विदेशी धन प्राप्त करना अपने आप में अपराध नहीं है। यदि वह कानून के अनुसार पंजीकृत है, धन का हिसाब रखती है और निर्धारित उद्देश्य के लिए उसका उपयोग करती है तो उसे स्वतंत्र रूप से जनसेवा करने का अवसर मिलना चाहिए। वहीं यदि कोई संस्था विदेशी धन का दुरुपयोग करती है, धन छिपाती है या देश के कानूनों का उल्लंघन करती है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई भी होनी चाहिए।

इस दृष्टि से विदेशी अंशदान कानून का विरोध केवल विदेशी धन प्राप्त करने के अधिकार का प्रश्न नहीं है। यह सरकार की नियामक शक्ति, संस्थाओं की स्वायत्तता, संपत्ति के अधिकार, धार्मिक और सामाजिक स्वतंत्रता तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन का प्रश्न भी है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून का इस्तेमाल पारदर्शी और समान रूप से हो। कार्रवाई के स्पष्ट आधार हों, संस्था को अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर मिले और संपत्तियों के संबंध में अंतिम निर्णय के लिए न्यायिक संरक्षण की प्रभावी व्यवस्था हो। भारत में मजबूत नागरिक समाज लोकतंत्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। सामाजिक संस्थाएं सरकार की प्रतिद्वंद्वी नहीं होतीं, बल्कि अनेक अवसरों पर वे सरकार के साथ मिलकर समाज के कमजोर वर्गों तक सहायता पहुंचाती हैं। इसलिए विदेशी धन पर निगरानी और नागरिक संस्थाओं की स्वतंत्रता दोनों को साथ लेकर चलना जरूरी है। विदेशी धन का दुरुपयोग राष्ट्रीय हित के लिए गंभीर खतरा हो सकता है, लेकिन नियमों का अत्यधिक विस्तार भी लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए चुनौती बन सकता है। अंततः विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक, 2026 के विवाद को केवल सरकार बनाम विपक्ष या सरकार बनाम गैर सरकारी संगठनों के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि भारत विदेशी प्रभाव से अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हित की रक्षा करते हुए नागरिक समाज की वैध स्वतंत्रता को कैसे सुरक्षित रखता है। पारदर्शिता, जवाबदेही और राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यक हैं, लेकिन उनके साथ निष्पक्षता, न्यायिक निगरानी और संस्थागत स्वतंत्रता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। यदि कानून इन सभी पक्षों के बीच संतुलन स्थापित कर पाता है तो विदेशी अंशदान का नियमन अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है। लेकिन यदि नियंत्रण की शक्ति अत्यधिक केंद्रीकृत हो जाती है और उसके दुरुपयोग से बचाव के पर्याप्त उपाय नहीं रहते, तो विरोध की आवाजें उठना स्वाभाविक है। यही कारण है कि विदेशी अंशदान कानून को लेकर वर्तमान बहस केवल धन के स्रोत की निगरानी की बहस नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक और नागरिक जीवन की सीमाओं और स्वतंत्रता के बीच संतुलन की व्यापक बहस बन गई है।

नजरिया

बौद्धिक विरासत का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता की हकदार

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

किसी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति, आधुनिक तकनीक, चमचमाते शहरों और ऊँची इमारतों से नहीं होती। राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसकी स्मृतियों, संस्कारों, अनुभवों और आने वाली पीढ़ियों के सपनों में होती है। जिस समाज ने अपने अतीत को सम्मान दिया, वर्तमान को संवारा और भविष्य को संस्कार दिए, वही समाज दीर्घकाल तक अपनी सभ्यता और संस्कृति को जीवित रख सका। बुजुर्ग हमारी बौद्धिक विरासत हैं, महिलाएँ हमारी सांस्कृतिक एवं पारंपरिक शक्ति हैं और बच्चे राष्ट्र के सशक्त भविष्य की आधारशिला हैं। इन तीनों को अलग-अलग देखने के बजाय एक ऐसी जीवन-श्रृंखला के रूप में देखना होगा, जिसमें अतीत का अनुभव वर्तमान के संस्कारों से होकर भविष्य की संभावनाओं में बदलता है। आज हम सूचना के ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ एक क्लिक पर हजारों सूचनाएँ उपलब्ध हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही क्षणों में जटिल प्रश्नों के उत्तर दे सकती है, लेकिन जीवन के अनुभव का कोई डिजिटल विकल्प नहीं है।

एक बुजुर्ग ने जीवन में जितने उतार-चढ़ाव देखे हैं, वे किसी पाठ्यपुस्तक में नहीं मिल सकते। उन्होंने अभाव का समय देखा, संघर्ष किया, रिश्तों को निभाया, सामाजिक परिवर्तन को अपनी आँखों के सामने घटित होते देखा और अपने अनुभव से परिवारों को संभाला। इसलिए बुजुर्गों को केवल आयु के आधार पर निर्भर व्यक्ति समझना उनके व्यक्तित्व और समाज में उनके योगदान को छोटा करना है।भारतीय परंपरा ने सदैव वृद्धों के अनुभव को महत्व दिया। मनुस्मृति में कहा गया है- अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः। चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम।। अर्थात जो व्यक्ति वृद्धों का सम्मान और सेवा करता है, उसकी आयु, विद्या, यश और बल में वृद्धि होती है। आज इस श्लोक को केवल धार्मिक संदर्भ में नहीं, बल्कि सामाजिक विज्ञान के संदर्भ में भी समझने की आवश्यकता है। बुजुर्गों के पास अनुभव की वह पूँजी है, जिसे अगली पीढ़ी तक पहुँचाना राष्ट्र की बौद्धिक संपदा का संरक्षण है। दुर्भाग्य से आधुनिक जीवन में संयुक्त परिवारों के विघटन, रोजगार के लिए पलायन और व्यस्त जीवनशैली ने बुजुर्गों के सामने अकेलेपन की समस्या खड़ी की है। कई बार घर में

रहते हुए भी वे संवाद से बाहर हो जाते हैं।

समस्या का समाधान केवल वृद्धाश्रम नहीं है। वृद्धाश्रम आवश्यकता की स्थिति में उपयोगी संस्था हो सकता है, लेकिन परिवार का विकल्प नहीं। बुजुर्गों को सबसे अधिक आवश्यकता सम्मान, संवाद, अपनत्व और निर्णयों में सहभागिता की है।महिलाएँ संस्कृति की मौन वाहक होती हैं।भारत की सांस्कृतिक परंपरा को यदि किसी ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखा है तो उसमें महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। बच्चे की पहली भाषा, पहला संस्कार, पहली प्रार्थना, पहला लोकगीत और परिवार के अनेक रीति-रिवाज अक्सर माँ और दादी-नानी के माध्यम से ही बच्चे तक पहुँचते हैं। इसलिए महिला को केवल परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित करके देखना उसकी वास्तविक भूमिका को कम करके देखना है।स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि किसी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर उसकी महिलाओं की स्थिति है। जिस देश की महिलाएँ शिक्षित, सुरक्षित, स्वावलंबी और निर्णय लेने में सक्षम होंगी, वहाँ परिवार और समाज दोनों मजबूत होंगे। भारतीय इतिहास में अहिल्याबाई होल्कर, रानी लक्ष्मीबाई, सावित्रीबाई फुले और अनेक महिलाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल संवेदना की प्रतीक नहीं, बल्कि नेतृत्व, संघर्ष, ज्ञान और परिवर्तन की शक्ति भी है। इसलिए महिलाओं के सम्मान की बात केवल भावनात्मक विषय नहीं होनी चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता और समान अवसर ये महिला सशक्तीकरण के वास्तविक आधार हैं। यदि बुजुर्ग अनुभव हैं और महिलाएँ संस्कारों की वाहक हैं, तो बच्चे उस अनुभव और संस्कार के भविष्य हैं।

पंडित जवाहरलाल नेहरू का बच्चों के प्रति विशेष लगाव था। वे बच्चों को देश की भावी शक्ति मानते थे।

उनका प्रसिद्ध विचार था कि आज के बच्चे ही कल का भारत बनाएँगे। यह विचार हमें याद दिलाता है कि बच्चों की शिक्षा और परवरिश केवल माता-पिता की निजी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है।।आज बच्चों के सामने नई चुनौतियाँ हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल मनोरंजन ने ज्ञान के अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन इनके साथ ध्यान भटकने, सामाजिक अलगाव और वास्तविक संवाद कम होने जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। बच्चों को केवल महँगे विद्यालय और आधुनिक उपकरण देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें समय, संस्कार, अनुशासन, संवेदना, खेल, प्रकृति और परिवार के बुजुर्गों का सान्निध्य भी चाहिए। एक बच्चा जब दादा-दादी से कोई कहानी सुनता है तो वह केवल कहानी नहीं सुन रहा होता; वह परिवार का इतिहास, भाषा, लोकस्मृति और जीवन-दर्शन ग्रहण कर रहा होता है।

आज हमारे सामने एक विचित्र स्थिति है। बुजुर्गों के पास अनुभव है, युवाओं के पास ऊर्जा है और बच्चों के पास भविष्य की संभावनाएँ हैं, लेकिन इन तीनों के बीच संवाद लगातार कम हो रहा है।।बुजुर्ग कहते हैं आज की पीढ़ी हमारी बात नहीं सुनती। युवा कहते हैं बुजुर्ग हमें समझते नहीं। और बच्चे कहते हैं हमारे पास किसी के पास बैठने का समय नहीं।

यदि यह दूरी बढ़ती रही तो हम केवल पारिवारिक संबंध नहीं खोएँगे, बल्कि पीढ़ियों के बीच ज्ञान का हस्तांतरण भी कमजोर होगा। इसलिए घर में ऐसा वातावरण बनना चाहिए जहाँ दादा-दादी बच्चों से बात करें, महिलाएँ परिवार की सांस्कृतिक स्मृतियों को आगे बढ़ाएँ और युवा दोनों पीढ़ियों के अनुभव तथा ऊर्जा को जोड़ने का काम करें। हमें यह भी समझना होगा कि संरक्षण का अर्थ अतीत को ज्यों का त्यों ढोना नहीं है। परंपरा वही जीवित रहती है जो समय के साथ स्वयं को उपयोगी बनाती है। बुजुर्गों का अनुभव और युवाओं की तकनीकी दक्षता मिल जाए तो परिवार अधिक सक्षम बन सकता है। महिलाओं की सांस्कृतिक चेतना और आधुनिक शिक्षा मिल जाए तो समाज अधिक संवेदनशील और आत्मनिर्भर बन सकता है। बच्चों को आधुनिक विज्ञान के साथ भारतीय जीवन-मूल्यों की समझ मिल जाए तो भविष्य अधिक संतुलित होगा।

महात्मा गांधी का विचार था कि ऐसा जियो जैसे तुम कल मरने वाले हो और ऐसे सीखो जैसे तुम्हें हमेशा जीना है। इस विचार में पीढ़ियों के बीच ज्ञान के हस्तांतरण की गहरी भावना छिपी हैसरकारें बुजुर्गों के लिए योजनाएँ बना सकती हैं, महिलाओं के लिए कानून और सुरक्षा व्यवस्था दे सकती हैं तथा बच्चों के लिए शिक्षा और पोषण की योजनाएँ चला सकती हैं। लेकिन इन सबकी सफलता तभी संभव है जब समाज की मानसिकता बदले।बुजुर्गों को दया नहीं, सम्मान चाहिए। महिलाओं को केवल सुरक्षा नहीं, समान अवसर और निर्णय की स्वतंत्रता चाहिए। बच्चों को केवल सुविधाएँ नहीं, समय, संस्कार और सुरक्षित भविष्य चाहिए।

हमें यह समझना होगा कि जिस घर में बुजुर्ग सम्मानित होते हैं, वहाँ अनुभव सुरक्षित रहता है; जिस घर में महिला सम्मानित होती है, वहाँ संस्कृति और संवेदना मजबूत होती है; और जिस घर में बच्चों को अच्छे संस्कार मिलते हैं, वहाँ भविष्य सुरक्षित होता है। बुजुर्ग अतीत की स्मृति हैं, महिलाएँ वर्तमान की सांस्कृतिक शक्ति हैं और बच्चे भविष्य की संभावना। इन तीनों को जोड़ने वाला मजबूत पारिवारिक और सामाजिक तंत्र ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है। इसलिए आज आवश्यकता केवल विकास की नहीं, पीढ़ियों को जोड़ने वाले विकास की है। बुजुर्गों की स्मृतियों को सुरक्षित रखिए, महिलाओं की शक्ति को सम्मान दीजिए और बच्चों के सपनों को पंख दीजिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

‘आठ फीट 10 इंच के बाल...’

हल्द्वानी की रेणु ने 11 साल की मेहनत के बाद बनाया विश्व रिकॉर्ड

हल्द्वानी (उत्तराखंड)/भाषा। आमतौर पर लंबे बाल किसी महिला की खूबसूरती का एक अहम हिस्सा माने जाते हैं लेकिन उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी की रेणु धरियाल के लिए यही लंबे बाल अब उनकी पहचान, जुनून और विश्व रिकॉर्ड बन चुके हैं। आठ फीट 10 इंच यानी 271.50 सेंटीमीटर लंबे बालों के साथ रेणु ने ‘गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड’ में अपना नाम दर्ज करवाकर हल्द्वानी को दुनिया के नक्शे पर अंकित कर दिया है।

मूल रूप से पिथौरागढ़ जिले की रेणु वर्तमान में हल्द्वानी के कठघरिया क्षेत्र में रहती हैं। बचपन में लंबे बाल रखने की उनकी एक छोटी-सी ख्वाहिश वक्त के साथ जुनून में बदल गई। उन्होंने 2015 में अपने बालों को बढ़ाना शुरू किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। करीब 11 वर्षों तक लगातार देखभाल, धैर्य और मेहनत का नतीजा आज उनके सिर पर दुनिया के सबसे लंबे बालों के रूप में मौजूद है। रेणु के बालों की लंबाई देखकर पहली नजर में यकीन करना मुश्किल होता है। लेकिन यह कोई दावा भर नहीं, बल्कि ‘गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड’ की प्रक्रिया से गुजरी प्रमाणित उपलब्धि है।

रेणु ने ‘पीटीआई-भाषा’ को बताया कि अप्रैल में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड’ की टीम हल्द्वानी पहुंची और उनके बालों की विधिवत जांच एवं माप ली जिसमें उनकी लंबाई 271.50 सेंटीमीटर दर्ज की गई। इसी के साथ रेणु का नाम सबसे लंबे वालों वाली जीवित महिला के रूप में रिकॉर्ड हो गया। इससे पहले, सबसे लंबे बालों का यह रिकॉर्ड यूक्रेन की आलिया नासिरोवा के नाम दर्ज था जिनके बालों की लंबाई 257.33 सेंटीमीटर दर्ज की गई थी। इतने लंबे बाल रखना जितना सुनने में रोमांचक लगता है, उन्हें संभालना उतना ही मुश्किल है। हालांकि, 35 वर्षीय रेणु के लिए बालों की देखभाल रोजमर्रा की जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने बताया कि बालों को जमीन से दूर रखने के लिए उन्हें विशेष तरीके से चोटी बनानी पड़ती है जबकि बाल धोने, सुखाने और उन्हें सुलझाने में कई घंटे लग जाते हैं।

रेणु के मुताबिक, लंबे बालों के कारण उन्हें रोजमर्रा के कामों में भी अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ती है, इसके बावजूद उन्होंने कभी अपने इस जुनून को बोझ नहीं माना। उन्होंने कहा कि लंबे बालों को बनाए रखने के लिए धैर्य सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनके लिए उनके बाल सिर्फ रिकॉर्ड नहीं हैं बल्कि वे भारतीय संस्कृति और परंपरा का हिस्सा हैं जहां हमेशा से उन्हें सुंदरता और नारीत्व का प्रतीक माना जाता रहा है। रेणु सिर्फ विश्व रिकॉर्डधारक ही नहीं हैं, बल्कि एक ‘कंटेंट क्रिएटर’ और यूट्यूबर के रूप में भी उनकी पहचान है। वह अपने लंबे बालों की देखभाल, अनुभव और ब्यूटी टिप्स से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाती रहती हैं।

‘टॉक्सिक’ ट्रेलर आउट

बैंगलूरु/एजेन्सी

काफी इंतज़ार के बाद आखिरकार टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का ट्रेलर आ गया है, जो एक ऐसे फैले हुए दुनिया की पहली झलक देता है जहाँ कैओस का टकराव कैओस से होता है, वफादारियाँ टेस्ट होती हैं और हर किरदार अपनी अलग कहानी लेकर चलता है। रॉकिंग स्टार यश की अगुवाई में ये ट्रेलर टॉक्सिक को एक बड़े स्केल वाली, लार्जर दैन लाइफ मैग्नम ओपस के रूप में पेश करता है, जिसमें हाई-ऑक्टेन एक्शन के साथ एक इमोशन से भरी कहानी हैजो प्यार, पावर की भूख, धोखा और रिडेम्प्शन पर टिकी है। दमदार विजुअल्स, धमाकेदार एक्शन, लेयर्ड कैरेक्टर्स और इंटेंस रिश्तों के साथ ये ट्रेलर एक ऐसे गैंगस्टर सागा का वादा करता है जो जितना स्पेक्टैक्युलर है, उतना ही इमोशन से भरा हुआ भी है। टॉक्सिक के दिल में बसी है राया और उसके बेटे टिकट के बीच की कॉम्प्लेक्स रिलेशनशिप, जो इस बड़े गैंगस्टर वर्ल्ड को एक इमोशनल गहराई देती है। ट्रेलर में रिश्तों और दुश्मनियों का एक पूरा जाल भी दिखाया गया है, जिसमें नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी के किरदारों की झलक मिलती है। पूरी स्टारकास्ट जबरदस्त असर छोड़ती है, जहाँ हर कलाकार अपने किरदार में अलग शेड्स और इंटेंसिटी लेकर आता है।

अवॉर्ड-विनिंग फिल्ममेकर गीथू मोहनदास अपनी यूनिक स्टोरीटेलिंग और विजुअल स्टाइल के साथ टॉक्सिक में एक इमर्सिव और अनप्रेडिक्टेबल दुनिया रचती हैं। ट्रेलर में यश ी यश का जबरदस्त फेस-ऑफ देखने को मिलता है, जहाँ यश राया और टिकट दोनों किरदार निभा रहे हैंएक बाप और बेटा, जो एक धमाकेदार टकराव के दो अलग किनारों पर खड़े हैं। इस सेंट्रल लड़ाई के अलावा, ट्रेलर फिल्म की एम्बिशियस वर्ल्ड-बिल्डिंग भी दिखाता हैहाई-ऑक्टेन एक्शन, थ्रिलिंग सीक्वेंस, शानदार प्रोडक्शन डिजाइन और एटमॉस्फेरिक विजुअल्स के जरिए। सिनेमैटोग्राफी इस डार्क और टेक्सचर्ड दुनिया को और भी विजुअली अरेस्टिंग बनाती है, जबकि गीथू एक्शन, इमोशन और कैरेक्टर डायनामिक्स को मिलाकर एक एम्बिशियस सिनेमैटिक एक्सपीरियंस पेश करती हैं।इंग्लिश और कन्नड़ में एक साथ शूट की गई टॉक्सिक को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी डब्ड वर्ज़न में रिलीज़ किया जाएगा, ताकि इसकी एक्शन और थ्रिल से भरी दुनिया हर भाषा के दर्शकों तक पहुँच सके। गीथू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। घतछ प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस द्वारा निर्मित ये फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

केबीसी के ग्रैंड प्रीमियर में होगी ‘बंटवारा 1947’ की पूरी स्टारकास्ट

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी पीरियड ड्रामा ’बंटवारा-1947’ की पूरी स्टारकास्ट अभिनेता अमिताभ बच्चन के क्विज शो ’कौन बनेगा करोड़पति’ के ग्रैंड प्रीमियर में आमिर खान के साथ शिरकत करेगी। शो मेकर्स ने प्रीमियर का छोटा-सा क्लिप शेयर कर इस बात की जानकारी दी। सभी कलाकार होस्ट अमिताभ बच्चन के साथ इस क्विज-बेस्ड रियलिटी शो में अपनी आने वाली फिल्म ’बंटवारा 1947’ का प्रमोशन करते नजर आएंगे। चैनल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नया प्रोमो शेयर किया है। इसमें आमिर खान मस्ती के मूड में बिग बी से इस सीजन की थीम ’सोचना पड़ेगा’ के बारे में सवाल करते दिख रहे हैं। आमिर कहते हैं, आपने प्रोमो में कहा है ’सोचना पड़ेगा’, तो क्या सोचना पड़ेगा?इसके जवाब में अमिताभ बच्चन ने अपने खास अंदाज में कहा, इतना आसान नहीं होने वाला है, क्योंकि सोचना पड़ता है न, भाईसाब।आमिर ने तुरंत सहमति जताते हुए कहा, सोचना पड़ेगा, सर... वाकई सोचना पड़ेगा।इस एपिसोड में सनी देओल पहली बार कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट पर नजर आएंगे। बता दें कि सनी का अमिताभ बच्चन के साथ बहुत पुराना और गहरा रिश्ता है। यह रिश्ता उनके पिता और दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के जरिए दशकों पुराना है।

अमिताभ और धर्मेंद्र ने साथ में कई यादगार फिल्में की हैं, जिनमें ’शोले’, ’चुपके चुपके’ और ’राम बलराम’ शामिल हैं। वे हिंदी सिनेमा के सबसे सम्मानित समकालीन कलाकारों में से एक हैं।फिल्म ’बंटवारा 1947’ का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है और यह आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है जबकि गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म में सनी देओल, करण देओल, अली जफर, प्रीति जिंटा, शबाना आजमी और अभिमन्यु सिंह अहम किरदारों में हैं।फिल्म की कहानी 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय की पृष्ठभूमि पर आधारित बताई जा रही है। यह उन आम लोगों की जिंदगी को दिखाती है जो इस विभाजन से प्रभावित हुए थे।

कहानी में एक हिंदू परिवार को दिखाया गया है जो लाहौर से भारत आता है और उन्हें एक हवेली मिलती है जो पहले एक मुस्लिम परिवार की थी। कहानी में मोड़ तब आता है जब उन्हें पता चलता है कि उस हवेली में एक बुजुर्ग मुस्लिम महिला अभी भी रह रही है। इसी स्थिति से इंसानी रिश्तों, भावनाओं और संघर्ष की एक गहरी कहानी पेश की जाएगी। यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

पीओके में हिंसा और धांधली के आरोपों के बीच हुआ तीसरे चरण का मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हिंसा और धांधली के आरोपों के बीच सोमवार को चार निर्वाचन क्षेत्रों में तीसरे चरण का मतदान हुआ। पुंछ डिवीजन के बाग और हवेली जिलों में मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ, जबकि सात निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिए गए।

कुछ इलाकों में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबरें सामने आईं। क्षेत्र के निर्वाचन आयोग ने चार निर्वाचन क्षेत्रों के 803 मतदान केंद्रों में से अधिकांश को ’संवेदनशील’ या ’अति संवेदनशील’ घोषित किया था। निर्वाचन आयोग ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता के कारण तीसरे और अंतिम चरण में पुंछ डिवीजन की सात सीटों पर मतदान स्थगित कर दिया था।

भारत का कहना है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश उसके अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। नई दिल्ली यह भी कहती है कि इन केंद्र शासित प्रदेशों के कुछ हिस्सों पर पाकिस्तान ने अवैध और जबरन कब्जा’’ कर रखा है। क्षेत्र की तथाकथित विधानसभा के लिए चुनाव के पहले और दूसरे चरण में क्रमशः 27 जुलाई और दो अगस्त को मतदान हुआ था। इन दोनों चरणों में हिंसक प्रदर्शनों और बड़े पैमाने पर धांधली के आरोपों के कारण चुनाव प्रभावित हुए थे। सरकार समर्थित पीएमएल-एन ने दोनों चरणों में जीत हासिल की और 24 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। केंद्र में उसकी गठबंधन सहयोगी पीपीपी ने कुल 34 सीटों पर हुए चुनाव में 10 सीटें जीतीं। कुल 45 सीटों के लिए चुनाव हो रहा है।

पीएमएल-एन क्षेत्र में सरकार बनाने की तैयारी में है। पार्टी ने घोषणा की है कि उसके प्रमुख नवाज शरीफ प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार का नाम तय करेंगे। पीपीपी ने तीसरे चरण में पीएमएल-एन पर बड़े पैमाने पर धांधली करने का आरोप लगाया है। पीपीपी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर पोस्ट में कहा कि बन्नी मरासिरा इलाके की ओर जाने वाली सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया था और आरोप लगाया कि विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के कई मतदान केंद्रों पर पीएमएल-एन समर्थक अवैध रूप से मतपत्रों पर मुहर लगा रहे थे।

पीपीपी ने कहा, ‘‘अधिकारी, मतदाता, मतदान एजेंट और पार्टी कार्यकर्ता मतदान केंद्रों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं और यह नहीं देख पा रहे हैं कि अंदर क्या किया जा रहा है।’’ पार्टी ने यह भी कहा कि कुछ मतदान केंद्रों पर मतदानकर्मियों के समय पर नहीं पहुंचने के कारण मतदान समय पर शुरू नहीं हो सका। उसने यह भी दावा किया कि कुछ मतदान केंद्रों से पीपीपी के मतदान एजेंटों को जबरन बाहर निकाल दिया गया, जहां पीएमएल-एन समर्थक मतपत्रों पर मुहर लगा रहे थे।

जेएएसी ने दावा किया है कि जून के पहले सप्ताह से अब तक करीब 400 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं। इसके अलावा उसका दावा है कि 27 जुलाई को हुए पहले चरण के मतदान के दौरान 40 से अधिक लोग मारे गए थे।

मैं चीजों को नेचुरल तरीके से होने दूंगी : सुरभि चंदना

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने एक्ट्रेस और महिला सेलिब्रिटीज के बीच एग्स फ्रीज़ करने के बढ़ते ट्रेंड पर अपनी राय दी। सुरभि ने कहा कि हालांकि वह उन सभी महिलाओं का समर्थन करती हैं जो अपने एग्स फ्रीज करने का फैसला करती हैं, लेकिन उन्हें खुद ऐसा करने की जरूरत महसूस नहीं होती, क्योंकि वह चीजों को उनके नैचुरल तरीके से होने देने में विश्वास रखती हैं। ’नागिन’ एक्ट्रेस से पूछा गया, आजकल बहुत सी एक्ट्रेस अपने एग्स फ्रीज करवा रही हैं। इस पर आपकी क्या राय है?इस पर जवाब देते हुए सुरभि ने अपनी बहन का उदाहरण दिया, जिन्होंने बिना किसी मेडिकल मदद के 39 साल की उम्र में मां बनने का अनुभव लिया।उन्होंने आईएएनएस को बताया, मेरी बहन ने 39 साल की उम्र में एक बेटे को जन्म दिया। वह अब दो साल का है - और यह एक नॉर्मल डिलीवरी थी।

मैं भी इसमें विश्वास रखती हूं, और जो लोग एग्स फ्रीज करना जरूरी समझते हैं, बहुत अच्छी बात है, लेकिन जैसा कि मेरी गायनेकोलॉजिस्ट ने मुझे बताया था, अगर आप ऐसा करती हैं तो बहुत ज्यादा हार्मोनल असंतुलन हो सकता है।मुझे लगता है कि हर बच्चा अपनी किस्मत लेकर इस दुनिया में आता है। मुझे नहीं पता कि क्या होगा, लेकिन मुझे लगता है कि मेरी बहन, जिसकी नौकरी में बहुत ज्यादा ट्रैवल करना पड़ता है और जिसका शरीर बहुत ज्यादा तनाव से गुजरता है, अगर वह नैचुरली बच्चे को जन्म दे सकती है, तो मैं भी नैचुरल तरीका ही अपनाना चाहती हूं।सुरभि ने आगे माना कि उन्हें अभी भी एग्स फ्रीज करने की प्रक्रिया से जुड़े हार्मोनल असंतुलन से थोड़ा डर लगता है।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि हम कब प्लान करेंगे, लेकिन यह सही समय आने पर होगा। जब भी ऐसा होगा, यह भगवान का तोहफा होगा। काम की बात करें तो, सुरभि ने अपने होम बैनर ’फील गुड स्टूडियोज’ के तहत नए बालाजी डिजिटल शो ’इश्क दम और इडली रसम’ के साथ प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू किया है।

तिरंगा यात्रा

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व सोमवार को नई दिल्ली में गांधी स्मृति द्वारा राजघाट से लाल किले तक आयोजित ’तिरंगा यात्रा’ में भाग लेते स्कूली बच्चे।

‘मुसाफिर कैफे’ में बेबाक लड़की बनीं वेदिका पिंटो

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री वेदिका पिंटो ने वेब सीरीज ’मुसाफिर कैफे’ में सुधा नाम की बेबाक लड़की का किरदार निभाया है, जो ज्यादा विचार नहीं करती, बल्कि अपनी अंतरात्मा और इंस्टिंक्ट (सहज ज्ञान) पर भरोसा करती है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वे सुधा की तरह बनना चाहती हैं। वेदिका पिंटो ने बताया कि उनमें और सुधा में जमीन आसमान का फर्क है। उन्होंने कहा, काश मैं सुधा जैसी होती। हमारे बीच सबसे बड़ा फर्क यह है कि मैं बहुत ज्यादा सोचती हूं, जबकि सुधा शायद ही कभी किसी चीज पर ज्यादा सोचती है। वह अपने मन की सुनती है और उसे जो कुछ भी करना है, उसके लिए वह बहुत कॉन्फिडेंट रहती है। अभिनेत्री ने बताया कि इस किरदार को निभाते वक्त उन्होंने सुधा की तरह मन की सुनने की कोशिश की थी।इससे पहले अभिनेत्री ने अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी फिल्म ’निशांची’ में डांसर ’रिंकू’ नाम की दबंग और रंगीली लड़की का किरदार अदा किया था। अभिनेत्री से जब आईएएनएस ने अनुराग कश्यप के साथ काम करने को लेकर पूछा, फिल्म निशांची में अनुराग कश्यप के साथ आपने उनसे ऐसा क्या सीखा जो कोई एक्टिंग स्कूल नहीं सिखा सकता? अभिनेत्री वेदिका पिंटो ने कहा, अनुराग सर के साथ काम करने के दौरान मुझे एक्टिंग के साथ-साथ जिंदगी के बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिला था, जिसे शब्दों में बयां करना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन मैं ये जरूर कहना चाहूंगी कि फिल्म ’निशांची’ और अनुराग सर के साथ काम करने के बाद मुझमें खुद को स्वीकार करना आया और यही मेरे सफर का सबसे बड़ा सबक रहा है।अभिनेत्री वेदिका पिंटो ने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में नेटवर्किंग जरूरी है। उन्होंने यह भी माना कि नेटवर्किंग की वजह से ही उन्हें अनुराग कश्यप के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, मैं बहुत समय से अनुराग सर के साथ काम करना और उनसे मिलना चाहती थीं। मेरे मैनेजर ने आखिरकार उनके साथ मीटिंग अरेंज की और हमारी बातचीत हुई। इस दौरान उन्होंने मुझमें कुछ ऐसा देखा, जिसकी वजह से आखिरकार निशांची मिली। अगर वह मीटिंग नहीं होती तो शायद मुझे वह फिल्म नहीं मिलती। इसलिए नेटवर्किंग जरूरी है क्योंकि लोग आपको किसी रोल के लिए कंसीडर करने से पहले आपको जानना जरूरी समझते हैं।

अभिनेत्री से एक और सवाल किया, आजकल सोशल मीडिया पर दिखना बहुत जरूरी माना जाता है। क्या आपको लगता है कि दिखना एक्टिंग टैलेंट जितना ही जरूरी हो गया है? अभिनेत्री वेदिका पिंटो ने कहा, एक समय था जब मैं सुनती थी कि कास्टिंग फॉलोअर्स या पॉपुलैरिटी पर निर्भर करती है। मुझे नहीं पता कि यह कितना सच है, लेकिन मैं हमेशा एक्टिंग और सोशल मीडिया को अलग रखती हूं क्योंकि एक्टिंग मेरा प्रोफेशन है।

पूजा

पवित्र सावन (श्रावण) महीने के दौरान सोमवार, को लखनऊ के बाराशिवाला मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

कम उम्र में शोहरत, फिर विवादों ने घेरा : हंसिका मोटवानी

मुंबई/एजेन्सी

हंसिका मोटवानी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। बचपन में टीवी की दुनिया में कदम रखा, चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान बनाई, बॉलीवुड में बड़े सितारों के साथ काम किया और फिर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बतौर लीड एक्ट्रेस अलग जगह बना ली। लेकिन, जितनी तारीफ हंसिका के काम की होती है, उससे ज्यादा चर्चे उनकी निजी जिंदगी को लेकर होते हैं। वह किसी न किसी चीज को लेकर अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। 9 अगस्त 1991 को मुंबई में जन्मीं हंसिका ने बहुत छोटी उम्र में ही कैमरे का सामना करना शुरू कर दिया था। टीवी के मशहूर शो ’शाका लाका बूम बूम’ में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आने के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने ’क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ जैसे लोकप्रिय सीरियल में भी काम किया। हंसिका की अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म ’कोई मिल गया’ में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया।कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म ’देसमुदुरु’ से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का सम्मान भी मिला। इसके बाद तमिल फिल्मों में भी उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। ’एंगेयुम काधल’ और ’ओरु कल ओरु कन्नाड़ी’ जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दिलाई। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुभाषी पहचान बनाई। एक चुलबुली और मासूम लड़की के किरदारों से शुरुआत करने वाली हंसिका ने धीरे-धीरे अलग तरह के रोल भी किए।

हंसिका का करियर जितना तेजी से आगे बढ़ा, उनकी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं भी उतनी ही तेज होती गईं। एक समय उनकी बदली हुई शारीरिक बनावट को लेकर तरह-तरह की बातें कही गईं और उन पर हार्मोनल इंजेक्शन लेने के आरोप लगे। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज किया था।इसके अलावा, एक कथित एमएमएस के वायरल होने के बाद भी उनका नाम चर्चा में आया। हालांकि, हंसिका ने साफ किया था कि वीडियो में दिखाई देने वाली लड़की वह नहीं थी। बावजूद इसके, इस विवाद ने काफी समय तक उनका पीछा नहीं छोड़ा।हंसिका की निजी जिंदगी का सबसे ज्यादा चर्चित अध्याय उनकी शादी रही। उन्होंने 4 दिसंबर 2022 को बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से शादी की। राजस्थान के जयपुर में हुई इस शाही शादी की तस्वीरों और वीडियो ने खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी शादी पर ’हंसिका लव शादी ड्रामा’ नाम की एक वेब सीरीज भी बनी है। हालांकि शादी की घोषणा के साथ ही विवाद शुरू हो गया। सोहेल की यह दूसरी शादी थी और उनकी पहली पत्नी रिंकी बजाज हंसिका की दोस्त थीं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर हंसिका पर कई तरह के आरोप लगाए गए। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सोहेल और रिंकी के रिश्ते में क्या हुआ, इससे उनका कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि, हंसिका और सोहेल का रिश्ता भी ज्यादा समय चल नहीं पाया। दोनों ने तलाक ले लिया है।

'लुटा दिया भंडार श्याम खाटू वाले ने, कर दिया मालामाल बेंगलूरु वालों को..'

श्याम सावन झूला महोत्सव में उमड़े श्याम भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका के श्याम कृपा परिवार ट्रस्ट द्वारा रविवार को पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिन्सेस गोल्फ सभागार में श्रावण मास के अवसर पर खाटू धाम के महंतश्री मोहन दास जी महाराज के सान्निध्य में दूसरे 'श्री श्याम सावन झूला महोत्सव' का आयोजन पूरी श्रद्धा व भव्यता से किया गया। इस आयोजन में कोलकाता के कारीगरों द्वारा खाटू धाम की तर्ज पर बाबा श्याम का बहुत ही मनोरम दरबार सजाया गया जो कि अनायास ही हर भक्त को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। साथ ही दरबार के समक्ष सुंगधित पानी की फुहारें वास्तव में सावन का अहसास करा रही थीं।

श्याम के जयकारों से गुंजायमान होता रहा पैलेस ग्राउंड

दोपहर 3 बजे श्री गणेश पूजन व बाबा श्याम का पूजन कर अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की गई। उपस्थित भक्तों ने बाबा श्याम के जयकारों से पूरे सभागार को श्याममय बना दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित बाबा भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा श्याम की ज्योत में आहूति दी और मनोरम श्रृंगार के दर्शन किए। भजन संध्या में सबसे पहले भादरां से आए गायक चिराग गोयल ने गणेश स्तुति कर भजन 'यो श्याम बड़ो अलबेलो...., हो रहा बाबा के नगरी में केशर चन्दन को छिड़काव...., श्याम बाबा मैं तेरे पास आया हूँ चरणों मे अरदास लाया हूं .. गाते हुए भक्ति की बहार बहा दी।

इनके बाद पटियाला से आए गायक विशाल शैली ने भगवान राम धुन से भजनों की प्रस्तुति शुरू कर भजन राम मेरे आ जाओ, चित्रकूट के घाट घाट पर राम मेरे आ जाओ...भर दे रे श्याम झोली भर दे ...,क्या करते हो सांवरे तुम हम से दूर रह कर..., चिट्ठी आई है, खाटू से चिट्ठी आई है..' गाकर श्याम भक्तों को नाचने-झूमने पर मजबूर कर दिया।

सुंगधित जल, इत्र व फूलों की बारिश ने कराया सावन का अहसास

भजन संध्या के अंतिम चरण में जब महंतश्री मोहनदासजी पहुंचे तो भक्तों ने 'जय श्री श्याम' के उद्घोष से उनका स्वागत किया तथा उनके चरणों मे धोक लगा कर आशीर्वाद लिया। मोहनदासजी महाराज ने जब पुराने व मीठे मीठे भजनों की प्रस्तुति दी तो पूरा सभागार एक बार फिर श्याममय हो गया और श्याम भक्तों व संस्था के सदस्यों ने महंतजी पर इत्र की वर्षा कर दी।

इत्र की वर्षा से पूरा सभागार खाटू के समान महकने लगा। जब मोहनदासजी ने भजन 'जयकारा-जयकारा-जयकार, श्याम धणी का जयकारा..., श्याम बहादुर मंदिर में आए , मोरछड़ी से ताले को खोला.., लहरावे, लहरावे बाबा तेरी मोरछड़ी लहरावे रे..., खाटू के बाबा श्याम, तू नीले चढ़कर आजा..., कुछ तो खास है सरकार तेरी सरकारी में.... आ गया खाटू वाला,वो आ गया नीले वाला, लुटा दिया भंडार खाटू वाले ने, कर दिया मालामाल बेंगलूरु वालो ने... ' गाए तो पुरुष व महिला श्रद्धालुओं ने नाचकर व झूमकर व समिति के सदस्यों ने इत्र व फूल की बरसात कर बाबा के दरबार में हाजरी लगाई।

देर रात तक पैलेस ग्राउंड पर बाबा का गुणगान होता रहा और बाबा सावन के झूले में झूलते रहे। इस मौके पर शहर के पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह, भाजपा राजस्थान से राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया सहित अनेक गणमान्य लोगों ने बाबा के दरबार के दर्शन किए तथा आशीर्वाद पाया। संस्था की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।

विभिन्न सभा-संस्थाओं का मिला सहयोग

इस महोत्सव में शहर की विभिन्न सहयोगी सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों व सदस्यों ने कार्यक्रम में शामिल होकर भक्ति का आनन्द लिय।संस्था के सुरेन्द्र गिदड़ा ने सभी श्याम भक्तों का स्वागत किया तथा सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया। मंच का संचालन विमलेश जोशी ने किया। इस महोत्सव को सफल बनाने में सुभाष कांसरिया, महावीर भोपाल, केदारनाथ मित्तल, प्रहलाद गर्ग, सचिन धानुका सहित श्याम कृपा परिवार के सदस्यों का सहयोग मिला।

मरुधरा संघ के दीपावली स्नेह मिलन की तैयारियां शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मरुधरा जैन संघ द्वारा आगामी 15 नवंबर को आयोजित होने वाले 33वें दीपावली स्नेह मिलन की तैयारियों हेतु टुमकुर रोड स्थित पार्श्व लब्धि धाम में कमेटी के पदाधिकारियों व सदस्यों की बैठक हुई जिसमें विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया।

संघ के अध्यक्ष जवरीलाल लूनावत, उपाध्यक्ष कांतिलाल गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष महावीर संचेती, पूर्व अध्यक्ष डूंगरमल पारख, पूर्व कोषाध्यक्ष केवलचंद सालेचा, पूर्व सलाहकार केवलचंद मोदी व उतमचंद बागमार आदि ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जवरीलाल लुणावत ने इस बैठक में मुख्य लाभार्थी परिवार कुंदनमल खुशाल बाफणा को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि इस बार वार्षिक साधारण सभा में मुख्य कमेटी की भांति ही नवयुवक मंडल व महिला मंडल के सदस्यों का चयन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जैन तीर्थ पर होने वाले स्नेह मिलन मे पहली बार भजन व भक्ति का कार्यक्रम रखा गया है।

जीवन की पवित्र साधना है समभाव : साध्वीश्री मंगलज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि समभाव जीवन की पवित्र साधना है। समभाव से ही जीवन में मैत्री, करुणा, दया, प्रेम भाव और स्नेह, सौहार्द का वातावरण बनता है। समभाव से ही सद्गति और शुभ कर्मों का उपार्जन हो सकता है। प्रभु की शरण ही हमें लेनी चाहिए जिससे हम भी अपने जीवन में उनके महान गुणों को अपने जीवन में आत्मसात कर अपने जीवन को भी धन्य और उनके प्रभु के जैसा दिव्य, उज्वल बना सकें।

उन्होंने कहा कि साधक को लाभ-अलाभ, सुख-दुख, जीवन-मरण, मान-अपमान, निन्दा-प्रशंसा, यश-अपयश आदि प्रत्येक अनूकूल-प्रतिकूल परिस्थिति में अपने जीवन में साधक को समभाव का गुण अपनाना चाहिए।

साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने आचारांग सूत्र के माध्यम से कहा कि व्यक्ति हर समय प्रसन्नचित्त, शुभ भावों में रहकर अपने जीवन को सुखमय बना सकता है। परिग्रह जीवन की संध्या में हमारे साथ नहीं चलता है, लेकिन उससे लगने वाले पाप की गांठ जरूर हमारे साथ में चलती है। मन से हमेशा शुभ भावों का चिंतन करते रहना चाहिए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

'शब्द' का वार्षिकोत्सव होगा आगामी 10 जनवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' की रविवार को आयोजित मासिक रचनागोष्ठी में काव्यपाठ के अलावा भविष्य की सर्जनात्मक गतिविधियों पर विचार किया गया। रचनागोष्ठी में नाटककार एवं लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली की अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ माधुरी सुबोध मुख्य अतिथि थीं और चेन्नई की कवयित्री एवं अनुवादक डॉ यमुना कृष्णराज विशिष्ट अतिथि थीं।अध्यक्षता कीं डॉ मंजु गुप्ता 'लता' ने एवं संचालन किया गीता चौबे गूँज ने। वरिष्ठ कवयित्री डॉ रचना उनियाल की सुमधुर सरस्वती वंदना से शुरु हुई कवि गोष्ठी में डॉ सुधा दीक्षित, डॉ शिवनंदन सिन्हा, नमिता सिन्हा, उषा गुप्ता, श्रीप्रकाश यादव, राजेन्द्र गुलेच्छा, रंजिताश्री, कृष्ण कुमार पारीक, राही राज तथा प्रीति राज की काव्य-प्रस्तुतियाँ श्रोताओं द्वारा खूब सराही गईं। नवोदित कवयित्री तृप्ति झा के मुक्तकों एवं 'शब्द' के कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा के देसी गीतों का भी श्रोताओं ने जमकर लुत्फ उठाया। डॉ माधुरी सुबोध के काव्य बिम्ब और गीता चौबे गूँज के काव्य भाव नए आस्वाद के थे। तमिलभाषी डॉ यमुना कृष्णराज की कविताओं में विचार और संवेदना का संतुलन प्रभावकारी था। युवा गीतकार लोकेश मिश्र और वरिष्ठ कवयित्री रचना उनियाल एवं मंजु गुप्ता 'लता' के मनभावन गीत चित्ताकर्षक थे।

रचनागोष्ठी के आरंभ में 'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि कविता भाषा में रची जाती है और भाषा अभिव्यक्ति का सिर्फ माध्यम नहीं, हमारी चेतना के इतर अनुभव भी होती है। कविता में कवि या उसका विचार अथवा रचना-कौशल तो महत्त्वपूर्ण होता है। किन्तु कविता में किसी घटना को देखने की कवि-दृष्टि एवं उसे अनुभूत करने की संवेदना सर्वोपरि होती है। इस लिहाज से 'शब्द' की मासिक रचनागोष्ठी रचना प्रयोगशाला है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष, 2026 का वार्षिकोत्सव-सह-पुरस्कार अर्पण समारोह विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर आगामी 10 जनवरी, 2027 को आयोजित होगा। उन्होंने 'शब्द' की कतिपय भावी योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि 'शब्द' की गतिविधियों पर देशभर के रचनाकारों की नजर रहती है। कार्यक्रम लोकेश मिश्र के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुआ।

महापुरुषों के चरित्र व संस्कारों को समझने से ही कल्याण संभव : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि सहज कल्याण का मतलब बिना कष्ट के कल्याण होना है। संत अपने जीवन में कभी भी भोजन स्वाद से नहीं करते, जो भी मिलता है वही ग्रहण करते हैं। रसनेन्द्रिय को वश में करना बड़ा मुश्किल है। सच्चा साधु कभी झूठ नहीं बोलता।

संत कम बोलते हैं, कम खाते हैं ग़म खाते हैं और हमेशा सत्य के मार्ग पर चलते हैं। आजकल के युग में संस्कारों में कमी आई है, इसलिए जो भी अच्छा कार्य करो तो सीमित मात्रा में करो। महापुरुषों के जीवन चरित्र को समझना, उनके संस्कारों को समझना ही कल्याण का एकमात्र उद्देश्य होता है।ङ्गङ्गलोकेशमुनिजी ने कहा कि भगवान महावीर का सिद्धांत ही सम्यक ज्ञान है। जहाँ पर आपका कोई नहीं होता, वहाँ आपका सम्यक ज्ञान ही आपको रास्ता दिखाता है। बिना ज्ञान के कोई भी व्यक्ति अपने आपको सही रास्ता नहीं दिखा पाता है। धर्म से जुड़ने के लिए सम्यक ज्ञान, दर्शन और चरित्र का ज्ञान होना आवश्यक है। दीक्षा लेने के लिए पुनवानी नहीं बल्कि सम्यक दर्शन का ज्ञान होना ज़रूरी है।

'अहो जिनशासनम' में जैन दर्शन व मूल्यों की गहनता पर प्रकाश डाला

जीतो साउथ चैप्टर ने आयोजित किया कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेश(जीतो) साउथ चैप्टर द्वारा रविवार को टाउन हॉल में 'अहो जिनशासनम' नामक एक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 800 से ज्यादा सदस्यों ने भाग लिया। चैप्टर के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने स्वागत किया। महावीर भंसाली ने जीतो सदस्यता तथा कार्यक्रम संयोजक महावीर दांतेवाड़िया ने कार्यक्रम की जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित शांतिलाल गुलेच्छा ने जीवन को स्पर्श करने वाली कथाओं के माध्यम से जिनशासन के मूल्यों और जैन दर्शन की गहनता पर प्रकाश डाला। उन्होंने जैन धर्म के गौरवशाली इतिहास और किंवदंतियों का वर्णन करते हुए अनेक ऐतिहासिक व धार्मिक पात्रों का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि इतिहास के सबसे कठिन समय में भी समाज के समर्थन और विकास में जैन समाज के महापुरूषों के योगदान और विरासत को आज भी याद किया जाता है। शास्त्रों और वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने भौतिक सफलता और आध्यात्मिक कल्याण के बीच संतुलन पर बात की। साथ ही उन्होंने जैन मूल्यों को आगे बढ़ाने में युवाओं और महिला उद्यमियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। ङ्गङ्गइस अवसर पर जीतो के पदाधिकारियों द्वारा शांतिलाल गुलेच्छा का सम्मान किया गया। जीतो अपेक्स व अन्य संबंधित संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी भी उपस्थित थे। लेडीज विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने धन्यवाद दिया। जीतो साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया ने संचालन किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**